लोक-सभा

प्रत्यक्ष कर (संशोधन) विधयक, 1973

प्रवर समिति का प्रतिवेदन [29 ग्रप्रैल, 1974 को पेश किया गया]



लो क-स भा स चिवाल य
न ई दिल्ली

अप्रैल ,1974/वैशाख,1896(शक)

मृत्य : 1 रु० 15 पंस

प्रत्येक्ष कर (संशोधन) विध्यक, 1973 संवंधी प्रवर स्थिति के प्रतिवेदन का शुद्धि-पत्र ।

पृष्ठ संख्या	वैरा संख्या	ांबित	के स्थान पर	पिष्य
V	12	1	आय की अधिनियं	आय कर अधिनियम
IX	-	3	तदर्भ रूप	तदर्थ रूप
XII		5	उत्पादन करना है	उत्पादन दरता है
10	वाल्य।	33	कालम । के नीचे	आन्द्र प्रदेश
21	2		अशय	आशय
25	2	4	.शोकसंतत	शोकसन्त प्त
31	4	3-4	21 फरवरी 1973	21 फरवरी, 1974
33)	8)	2,9,23)	स्थानः पर प्रतिस्थापित	स्थान पर निम्नलिखत
37	-	3	संति छ	संशिलि ६ ट
38		8	असंयुद्धा सचिव	संयुक्त सचिव
3 8	3 (तीन)		वियान	विद्यमान
39		2	श्रुतलदा	धृतलकी

विषय-सची

										वृष्ठ
प्रवर समिति	त की रचना .									(iii)
प्रवर समिति	न का प्रतिवेदन .									(v)
विमति टिप	वण .									(X)
प्रवर समिति	त द्वारा प्रतिवेदित	रूप में विधेयव	ñ .							1
परिशिष्ट-	-एक									
	विधेयक को प्रवर	समिति को सौ	पने के लि	ये लोक-स	भा में प्रस्त	ाव .				17
परिशिष्ट-	-वो									
	एसोसिएशनों, सं	गठनों भ्रादि व	ती सूची	जिनसे प्रवर	समिति	को ज्ञापन	श्र भ्यावेद	न/टिप्पण	ग्रादि	
	प्राप्त हुये									18
परिशिष्ट-	-तीन									
	एसोसिएशनों, संग	ठनों ग्रादि की	सूचो जि	ान्होंने प्रवर	समिति व	ते समक्ष सा	क्य दिया			20
परिशिष्ट-	–चार									
	प्रत्यक्ष कर (संश	ोधन), विधेय	क, 197	3 सम्बन्धी	प्रवर समि	नित की बै	ठकों का व	नार्यवाही स	गारांश।	21

作品的一口的时

									EPP
. thus in the	•			•					(iii)
. PEDAR TO FILE	•		•						(v)
									(%)
ती हैं एक स्वाहितीय प्राह्म की	विवेदान						•		
a elelw ser is seef)	PPIN TO	新村	TATE-STA	PILAK P					7.1
fr									
त्वार्गस्यकारां, संगठनां श्रात्ते अस्ति हुये	y the stri	ert fry	P PPP F	कि होशी	B FPIN	1), 17 2 2 1 1 1 1	ing mais		81
Win-									
shu iterpi iterpiling	TO THE N	(1) (1) (1)	(# 3FF	op it Pit	Pers Pr	स्विष्			
FID-									
pl (vefer) in wear	[ब्रह्मसम्	77 6781	BR TIST	समित	Tepo a la	को कार्य	rivus Cen	1 10	

प्रत्यक्ष कर (संशोधन) विधेयक, 1973 सम्बन्धी प्रवर समिति

(nink) (pink) hench

TENT WIT INTO THE OPP IN

A STATE OF THE OFFICE PARTY

pels pe bastwork of the

PRINTER TO TO TO THE STATE OF STREET

1 with the print butter in the ac-

THE TEN INTERIOR OF THE A

THE THE STOR WILL MATERIA WEEKS ASTER THE STEEL WIT

ी. की केंग्र इंड कोन्सन, सबक्स, केंग्रीस प्रशासन कर की

समिति की रचना

marketyp fin Pal

(4)

(कामानी क्षिप्रकार) अलगान विकास कार्य कार

क्षेत्रीक्षेत्र के (साम्राही अपि स्वस्थ अप्रताह सहित्य

新州南新州

	1	AND DESIGNATION OF THE PARTY OF	-	-	-
2.	OTT.	2010 1010	17	2011	ग्राजाद
1	2	STATE OF THE STATE OF	1	×4 1	711114

- 3. श्री ग्रोंकार लाल बेरवा
- 4. श्री रघुनन्दन लाल भाटिया
- 5. श्री एम० भीष्म देव
- 6. श्री जी० भुवाराहन
- 7. श्री नरेन्द्र सिंह विष्ट
- 8. श्री सोमनाथ चटर्जी
- 9. श्री यशवन्त राव चव्हाण
- 10. श्री एस० ग्रार० दामाणी
- 11. श्री बी० के० दासचौधरी
- 12. श्री डी॰ डी॰ देसाई
- 13. श्रीमती एस० गौडफो
- 14. श्री दिनेश चन्द्र गोस्वामी
- 15. श्री समर गृह
- 16. श्री श्याम सुन्दर महापात्र
- 17. श्री कार्तिक उरांव
- 18. श्री डी० के० पंडा
- 19. श्री एच० एम० पटेल
- 20. श्री रामजी राम
- 21. श्री नरेन्द्र कुमार सांघी
- 22. श्री बसन्त साठे
- 23. श्रीमती सावित्री श्याम
- 34. श्री इरा सेझियान
- 25. श्री सी० के० जाफर शरीफ
- 36. श्री शिव कुमार शास्त्री
- 27. श्री सोमचन्द सोलंकी
- 28. श्री एम० सुदर्शनम्
- 29. श्री के० पी० उन्नीकृष्णन्
- 30. श्री के० श्रार्० गणेश

विधायी परामर्शदाता

- 1. श्री कें के के सुन्दरम्, सचिव, विधि, न्याय ग्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग)
- 2. श्री श्रार० वी० एम० पेरि-शास्त्री, संयुक्त सचिव श्रीर विधायी परामर्शदाता, विधि, रदाय श्रीर वर्दा विधायी मंत्रालय (विधायी विभाग)
- 3. श्री वी॰ एस॰ भाष्यम् उप विधायी परामर्शदाता, विधि, न्याय ग्रीर कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग)

S. SI MINED BE SENIE

3. थी ग्रांकार लाल बेरवा

5. की एम् अपि एम् देव

G जी जी जार म्याराहन

7. की नरेन्द्र सिंह विषट

8. थी सामनाथ चरजा

9. की प्रणावन्त राव चढहाण

10. थी एस अहर व्हामाणी

ार. श्री की० के० दासपांधरी

13. व्यापता एसः गोडफ

14 औ दिनेश वस गोस्वामी

ा क. थी ग्याम सन्दर महापाल

ाय. भी हो हो हो देखाई

15. थी समर गुरू

17. थी काविक उराव

18 की ही वेल पहा

20. ची रामजी राम

22. की समस्त साह

अने की इस सिल्यान

19. थी एवं एवं प्य

21. की नरेन्द्र चुवार सांची

23. श्रामती साविती स्थाम

25. जी सी० कें जाफर भरीफ

26. वी विश्व कुमार मास्त्री

4. थी रचनन्दन लास भारिया

वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) के प्रतिनिधि

- 1. श्री एम० ग्रार० यार्डी, वित्त सचिव
- 2. श्री ग्रार० डी० शाह, चेयरमैन, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड
- 3. श्री के० ई० जौनसन, सदस्य, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड
- 4. श्री के० ग्रार० खोसला, निदेशक
- 5. श्री ग्रो० पी० भारद्वाज, उप सचिव
- 6. श्री वी० पी० मिनोचा, ग्रवर सचिव

सचिवालय

- 1. श्री पी० के पटनायक--संयुक्त सचिव
- 2. श्री हरिगोपाल परांजपे--उप-सिचव।

27. जी सामचन्द्र सोलंको 28. जी एमः युवर्णनम् 28. जी एमः युवर्णनम् 28. जी के पीः जन्तीप्रच्यान्

प्रवर समिति का प्रतिवेदन

THE THE THE PRESENT NUMBER OF THE PERSON

मैं, उस प्रवर समिति का सभापित जिसे ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961, धन-कर ग्रिधिनियम, 1957, दान-कर ग्रिधिनियम 1958 ग्रीर कम्पनी (लाभ) ग्रितिकर ग्रिधिनियम, 1964 का ग्रागे संशोधन करने ग्रीर तत्सम्बन्धी विषयों के लिये उपबन्ध करने वाला विधेयक *सौंपा गया था, समिति द्वारा उनकी ग्रोर से प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिये प्राधिकृत किये जाने पर प्रमिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करता हूं जिसके साथ समिति द्वारा संशोधित रूप में विधेयक भी संलग्न है।

- 2. यह विधेयक 3 सितम्बर, 1973 को लोक-सभा में पुरःस्थापित किया गया था, विधेयक को प्रवर सिमिति को सौपने का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय में राज्य-मंत्री श्री के० ग्रार० गणेश ने सभा में 23 नवम्बर, 1973 को प्रस्तुत किया ग्रीर इसे स्वीकार किया गया (परिशिष्ट—एक)।
- मार्गाम 3, मिसिति की कुल खारह बैठकें हुई। मिसि मिसि अमि कि मिसिसिसि के कुल मानानी
- 4. समिति की पहली बैठक 7 दिसम्बर, 1973 को हुई जिसमें उन्होंने अपना कार्यक्रम तैयार किया। समिति ने यह निश्चय किया कि राज्य सरकारों, वाणिज्य और उद्योग संघों, व्यापार संगठनों और अन्य संस्थाओं तथा विधेयक की विषय- वस्तु में रुचि रखने वाले सभी व्यक्तियों से 31 दिसम्बर, 1973 तक लिखित ज्ञापन मंगवाये जायें।

समिति ने यह भी निश्चय किया कि भारत सरकार के सम्बन्धित सचिवों को विधेयक के उपबन्धों पर मौखिक साक्ष्य देने के लिये बुलाया जाये।

- 5. समिति को विभिन्न संगठनों, संस्थाग्रों, ग्रादि से 35 ज्ञापन प्राप्त हुये (देखिये परिशिष्ट--दो)।
- 6. सिमिति ने 17 ग्रीर 19 जनवरी, 1974 को हुई ग्रपनी बैठकों में विभिन्न संस्थाग्रों, संगठनों, ग्रादि तथा भारत सरकार के सम्बन्धित सिचवों का साक्ष्य सुना। उन संस्थाग्रों, संगठनों ग्रादि की सूची, जिन्होंने सिमिति के समक्ष साक्ष्य दिया, परिशिष्ट—तीन में दी गई है।
- 7. 8 ग्रप्रैल, 1974 को हुई ग्रपनी बैठक में समिति ने यह निर्णय किया कि (एक) समिति के समक्ष दिया गया साक्ष्य सभा पटल पर रखा जाये; ग्रौर (दो) विभिन्न संस्थाग्रों, संगठनों, ग्रादि से प्राप्त प्रत्येक ज्ञापन की दो-दो प्रतियां, प्रतिवेदन प्रस्तुत हो जाने के बाद, संसद् सदस्यों के ग्रवलोकनार्थ संसद् ग्रन्था गार में रखी जायें।
- 8. समिति का प्रतिवेदन 22 फरवरी, 1974 तक प्रस्तुत किया जाना था। 21 फरवरी, 1974 को समिति का प्रतिवेदन 30 अप्रैल, 1974 तक प्रस्तुत करने के लिये समय बढ़ाया गया।
- 9. सिमिति ने 4 ग्रीर 5 फरवरी, 27 मार्च, ग्रीर 8 ग्रिपेल, 1974 को हुई ग्रिपनी बैठकों में विधेयक पर खण्ड-वार विचार किया।
- 10. समिति ने 22 अप्रैल, 1974 को प्रतिवेदन पर विचार किया और उसे स्वीकार किया।
- 11. विधेयक में जिन मुख्य परिवर्तनों का प्रस्ताव किया गया है उनके सम्बन्ध में समिति के विचार परवर्ती पैराग्राफों में विस्तार सहित दिये गये हैं।
- 12. खण्ड 2— समिति ने नोट किया कि ग्राय की ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 10 में ग्रन्तः स्थापित किये जाने वाले प्रस्तावित नये खण्ड (17क) केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित या इस निमित्त उसके द्वारा ग्रनुमोदित साहित्यिक वैज्ञानिक ग्रीर कलात्मक कार्य या योग्यता या खेल या कीड़ाग्रों में प्रवीणता के लिये पुरस्कार के ग्रनुसरण में किया गया संदाय ग्रायक्तर से पूर्णतया मुक्त होगा। समिति का विचार है कि विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा स्थापित पुरस्कारों के ग्रनुसरण में संदेय राशि को भी केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित पुरस्कारों की भांति ग्राय कर से पूर्णतया मुक्त रखा जाये।

^{*}३ सित्म्बर, 1973 को भारत के राजपत्र, ग्रसाधारण, भाग 2, खण्ड 2 में प्रकाशित । कि विकास

प्रस्तावित नये खण्ड (17क) में तदनुसार संशोधन कर दिया गया है।

- 13. खण्ड 3--सिमिति ने इस खण्ड के उपखण्ड (क) में कुछ संशोधन किए हैं जिनका ब्यौरा इस प्रकार है :--
- (एक) सामित का विचार है कि प्रारम्भिक ग्रवक्षयण का प्रस्तावित लाभ लघु ग्रौद्योगिक उपक्रमों में संस्थापित मशीनरी ग्रौर संयंत्र को दिया जाना चाहिए चाहे ऐसे उपक्रम किसी भी वस्तु या चीजों का विनिर्माण करते हों। इस प्रयोजन के लिए उस ग्रौद्योगिक उपक्रम को जिसकी संस्थापित मशीनरी ग्रौर संयंत्र का मूल्य सात लाख पचास हजार रुपये से ग्राधिक न हो; लघु ग्रौद्योगिक उपक्रम माना जाना चा हिए।
- (दो) सिमिति ने नोट किया कि ग्राय कर ग्रिधिनियम, 1961 के वर्तमान उपबन्ध के ग्रनुसार 1 जून, 1974 THE PERSON से पूर्व संस्थापित मशीनरी और संयंत्र पर ही विकास छूट अनुज्ञात है, सिमिति का विचार है कि जिन उपक्रमों के पास विकास छूट के रूप में बहुत बड़ी रकम जमा है वे प्रारम्भिक ग्रवक्षयण का लाभ कर-निर्धारण वर्ष 1975-76 या परवर्ती वर्षों में तब तक नहीं उठायेंगे जब तक वे लाभ का ऐसी विकास छूट से प्रतिसंतुलन नहीं कर लेते। इसका कारण यह है कि प्रारम्भिक अवक्षयण का समायोजन करने के बाद, जिसमें अब प्रस्तावित प्रारम्भिक अवक्षयण भी शामिल हैं, प्राप्त लाभ का विकास A PINIS I INSI छूट से प्रतिसंतुलन किया जा सकता है। चूंकि प्रारम्भिक ग्रवक्षयण छूट देने की व्यवस्था करने का उद्देश्य - महामी कि का विषय-श्रीद्योगिक उपक्रमों की सहायता करना है न कि विकास छूट के श्रिधकार से वंचित करके उनको हानि पहुंचाना, स्रतः समिति का विचार है ।क एक निर्धारिती ग्रपनी इच्छा से प्रारम्भिक ग्रवक्षयण छूट की प्रस्तावित प्रसुविधा का (योजना को चालू करने के प्रारम्भिक वर्षों में) लाभ न 作品 社会 社会 社会 社会 社会 社会 社会 उठाने की घोषणा कर सकता है। निर्धारिती उस निर्धारण वर्ष के लिए, जिसमें वह नये खण्ड (छ:) के अधीन पहली बार कटौती का हकदार हो जाता है, आय की विवरणी भेजने के लिये निर्धारिती अवधि की समाप्ति के पूर्व अपने विकल्प का प्रयोग कर सकता है। निर्धारिती यदि एक बार इस विकल्प का प्रयोग कर लेता है, तो उसे प्रारम्भिक , अपने अवक्षयण छूट के मामले में तब तक कोई छूट नहीं दी जायेगी जब तक की वह अपने विकल्प का प्रतिसंहरण नहीं करता । निर्धारिती के लिए यह भी ग्रावश्यक होना चाहिए कि वह उस निर्धारण वर्ष के लिए जिस में ऐसा प्रतिसंहरण लागू होगा, ग्राय की विवरणी देने के लिए निर्धारित ग्रवधि की समाप्ति से पूर्व ग्रायकर ग्रधिकारी को लिखित रूप में प्रति संदरण का नोटिस दे दे।
- (तीन) समिति नोट करती है कि प्रस्तावित उपबन्धों के ग्रधीन नौवहन ग्रौर विमानन के वर्ष में लगी हुई संस्थाय्रों द्वारा 31 मई, 1974 के पश्चात् य्राजित किये गये नये पोतों या नये विमानों ग्रौर ाज की सीम जिल्ला कुछ विशिष्ट उद्योगों में उस तारीख के बाद स्थापित नयी मशीनरी या संगंत के मामले में प्रारम्भिक ग्रवक्षयण के कारण छूट ग्रनुमत्य होती होगी। वित्त विधेयक, 1974 में एक ऐसा उपबन्ध हैं जिसमें कोयले से चलने वाले वायलरों, तेल से चलने वाले वायलरों को कोयले से चलने वाले वायलरों में परिवर्तित करने के लिए ग्रावश्यक मशीनरी ग्रीर संग्रंत तथा गोत, मशीनरी ग्रथवा संयंत्र की बाबत उन मामलों में एक ग्रौर वर्ष तक विकास छूट जारी रखने की व्यवस्था है जिनमें निर्धारिती ने 1 दिसम्बर, 1973 से पूर्व इनको खरीदने का करार कर लिया था। इस स्थिति को देखते हुए, कुछ मामलों में इन पोतों, वायुयानों, मशीनरी अथवा संवंबं पर उस स्थिति में भी विकास छूट देनी होगी जबकि इनका ग्रधिग्रहण ग्रथवा इनकी स्थापना 31 मई, 1974 के पश्चात् अपितु 1 जून, 1975 से पूर्व की जाए । अतः इसका प्रभाव यह होगा कि हार हिंही क्योगड़र ऐसे मामलों में निर्धारिती एक ही पोत, वायुयान, मशीनरी ग्रयवा संयंत्र पर वित्त विधेयक, 1974 के weller and and उपबन्धों के ग्रधीन विकास छूट ग्रौर प्रत्यक्ष कर (संशोधन) विधेयक, 1973 के प्रस्तावित उपबन्धीं के अधीन प्रारम्भिक अवक्षयण छूट दोनों ही का हकदार होगा।

चूंकि हमारी मंशा यह है कि उन पोतों, वायुयानों, मशीनरी अथवा संयंत्र पर प्रारम्भिक अवक्षयण छूट न दी जाये जिन के मामले में विकास छूट दी जाती है इसांलए समिति का विचार है कि प्रारम्भिक अवक्षयण छूट केवल उन गोतों, वायुयानों, मशीनरी अथवा संयंत्र के मामले में दी जानी चाहिए जिनके मामले में विकास छूट अनुनत्य नहीं है।

(चार) सिमिति नोट करती है कि प्रस्तावित उपबन्धों के ग्रधीन निर्धारिती द्वारा भारत में ग्रायातित पूरी तरह मरम्मतशुदा मशीनरी ग्रथवा संयंत्र को नयी मशीनरी ग्रथवा संयंत्र समझा जायेगा ग्रीर तदः

नुसार इस पर प्रारम्भिक आवक्षयण छूट मिलेगी। समिति का विचार है कि ऐसी प्रारम्भिक अवक्षयण छूट उन मामलों में भी अनुमत्य होनी चाहिए जहां मरम्मतशुदा मशीनरी अथवा संयंत्र का निर्धारिती द्वारा सीधे भारत में ग्रायात नहीं किया जाता, अपित उनको ऐसी मशीनरी ग्रयवा सयंत्र का लेनदेन करने वाले एक ऐसे व्यापारी से खरीदा जाता है जिसने उनका भारत में ग्रायात किया है।

तदनुसार खण्ड 3 के उपखण्ड (क) में संशोधन कर दिया गया है।

THE OF HEALTH WITH MAKE HER PARK BESTERS IND IN PART STREET INDIANTED IN

14. खण्ड 4-- प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 34 की प्रस्तावित नई उप-धारा (2क) में उपबन्ध है कि प्रारम्भिक ग्रावक्षयण छूट नवम् ग्रनुसूची की सूची में विनिद्धिटों चीजों या वस्तुग्रों में से एक या ग्रधिक के सिन्नर्माण विनिर्माण या उत्पादन के प्रयोजन के लिए संस्थापित किसी मशीनरी या संयंत्र की बाबत तब तक अनुमत्य नहीं होगी जब तक करदाता विहित प्राधिकारी से प्राप्त इस ग्राशय का प्रमाण-पत्न नहीं देता कि मशीनरी या संयंत्र को ऐसे कारबार के प्रयोजन के लिए संस्थापित किया गया है। सिमिति का विचार है कि विहित प्राधिकारी से प्रमाणपत्न लेकर देने की इस शर्त से छोटे करदाताम्रों को कठिनाई हो सकती है।

भी विकास करा की सुनी से हरा दिया जाना जाना जाना । ग्रत: नई उप-धारा (2क) का लोप कर दिया गया है।

रतान) समिति की पत्र भी निकार है कि संसूष्ट प्रान्त तथा समानामी, विकास साम अभिनाकार्य हो है राष्ट्रियों कि कि 15. खण्ड 6-- (एक) समिति ने नोट किया है कि प्रस्तावित उपबन्धों के अधीन एक निर्धारिती, जो किसी वैज्ञानिक अनुसंधान संगम विश्वविद्यालय, महाविद्यालय या अन्य संस्था को उसके द्वारा चलाए जा रहे कारा-बार से सम्बन्धित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्रयुक्त किये जाने के लिए कोई राशि संदत्त करता है, उसे इस प्रकार संदत्त राशि के एक सहीं एक बटा तीन के बराबर राशि कड़ौती के रूप में ग्रनुमत्य होगी। वारीच है, समाविष्ट अंतो के गांत निवस है तका विस्ति प्रकार का पुत्रपादन वाध्या के नाम के नाम से पारवार

समिति का विवार है कि चूंकि वैज्ञानिक अनुसंधान जिसके लिये निर्धारिती द्वारा राशि दी गई थी एक कार्यक्रम के भ्रन्तर्गत किया जाना था जिसको कि देश की सामाजिक, ग्रार्थिक तथा भ्रौद्योगिक भ्रावश्यकताम्रों को ध्यान में रखते हए कि विहित अधिकारी द्वारा इस निमित्त अनुमोदित किया गया था अतः प्रस्तावित प्रोत्साहन निर्धारिती द्वारा किये जाने वाले व्यापार से सम्बन्धित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये दी जाने वाली राशि तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिये। 18. जन्म 16:---समिति पत निमार है कि प्रतावित विमा प्रतिवित मितिस प्रतिवित के विमान पति विमान के विमान के विमान

ग्रत: खण्ड 5 के उप-खण्ड (ग) द्वारा ग्रन्त:स्थापित किये जाने वाले प्रस्तावित नये उप-खण्ड (2क) में तदन्सार संशोधन किया गया है।

- (दो) ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के खण्ड 35 के प्रस्तावित उप-खण्ड (2क) के स्पष्टीकरण खण्ड 5 के उप-खण्ड (ग) द्वारा अन्तःस्थापित किया जाने वाला है, का लोप पारिणामिक है।
- 1 6. खण्ड 9--(एक) समिति की राय है कि पिछड़े क्षेत्रों के विकास के लिये, ऐसे क्षेत्रों में स्थापित श्रीद्योगिक उपक्रम से प्राप्त लाभ ग्रौर ग्रभिलाभ की रकम के बीस प्रतिशत के बराबर प्रस्तावित कटौती उन मामलों में भी दी जानी चा हिये जहां एक गैर-पिछड़े क्षेत्र में स्थापित वर्तमान ग्रीद्योगिक उपक्रम का ग्रन्तरण पिछड़े क्षेत्र में किया गया हो।
- प्रस्तावित धारा 80जज के खण्ड 2 के उप-खण्ड (॥) ग्रीर (॥) में तदनुसार शोधन किया गया है।
- (दो) विधेयक के अन्तर्गत, पोत सिन्नर्माण में लगे हुए किसी उपक्रम को कर में प्रस्तावित रियायत उपलब्ध नहीं होगी। समिति का विचार है कि ऐसे उपक्रमों को प्रस्तावित रियायत से वंचित नहीं रखा जाना चाहिये। नई धारा 80 जज की उप-धारा (10) में तदनुसार संशोधन किया गया है। KARLE PARIET & EXELENTED IN RING INDUCE IN STREET IN STREET IN SECTION OF THE PART OF THE

असाय जाय ।

(तीन) इस खण्ड में किये गये अन्य संशोधन पारिणामिक हैं।

- गिर्ज 17. विण्ड 15:--सिमिति ने पिछड़े क्षेत्रों की सूची में कुछ निम्नलिखित संशोधन किये हैं :---
- (एक) समिति को बताया गया कि इस खण्ड की सूची में दर्ज कुछ जिले 3 सितम्बर, 1973 ग्रर्थात् लोक सभी में विधेयक पुरःस्थापित किये जाने की तारीख से पूर्व या तो दो भागों ग्रथवा तीन भागों में विभाजित कर दिये गये थे ग्रथवा ग्रन्थया पुनर्गिटित किये गये थे तथा हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश ग्रीर उत्तर प्रदेश में कुछ जिले योजना ग्रायोग द्वारा पिछड़े क्षेत्रों की सूची में जोड़ दिये गये थे। समिति का विचार है कि विधेयक में पिछड़े क्षेत्रों की सूची योजना ग्रायोग द्वारा निर्धारित इस प्रकार के क्षेत्रों की सूची के ग्रनुरूप होनी चाहिये।
- (दो) सिमिति का विचार है कि महाराष्ट्र राज्य में कोलाबा जिला के उस भाग को, जिसे कि नए मुम्बई के प्रस्तावित नए नगर के स्थल के रूप में ग्रिभिहित किया गया है विखिये भारत सरकार द्वारा जारी की गई ग्रिधिसूचना संक्ष्मार० पी० बी० 1173-I-ग्रार० पी० बी० तारीख 16 ग्रगस्त, 1973 द्वारा यथा संशोधित ग्रिधिसूचना सं० ग्रार० पी० बी० 1171-18124 ग्राई० डब्ल्यू तारीख 20 मार्च, 1971 जो महाराष्ट्र सरकार (नगर विकास, लोक स्वास्थ्य ग्रीर ग्रावास विभाग) द्वारा महाराष्ट्र रिजनल एंड टाउन प्लानिंग एक्ट 1966 (1966 का महाराष्ट्र ग्रिधिनियम सं० 37) की धारा 113 की उपधारा (1) के ग्रधीन जारी की गथी पिछड़े क्षेत्रों की सूची से हटा दिया जाना चाहिये।
- (तीन) समिति का यह भी विचार है कि मैसूर राज्य तथा लक्कादीव, मिनिकाय और अमीनदीवी द्वीप समूह संध राज्य क्षेत्र को उनके नये नाम अर्थात् क्रमशः कर्नाटक और लक्ष द्वीप से पुकारा जाना चाहिये।
- (चार) सिमिति की यह भी राय है कि प्रस्तावित ग्रनुसूची में किसी जिले के प्रति निदेश का यह ग्रथं लगाया जाना चाहिये कि वह उस जिले में 3 सितम्बर 1973 को, जो विधेयक को लोक सभा में पुर:स्थापित करने की तारीख है, समाविष्ट क्षेत्रों के प्रति निर्देश है तथा किसी प्रकार का पुनर्गठन ग्रथवा जिलों के नाम में परिवर्तन जो राज्य सरकारों द्वारा किये गये हों, उन क्षेत्रों में स्थापित नए ग्रौद्योगिक उपकमों ग्रौर होटलों को मिलने वाली रियायत भी व्याप्ति को बढ़ाने या सीमित करने संबंधी प्रभाव नहीं डालेंगे।

पिछड़े क्षेत्रों की सूची में संशोधन किया गया है तथा इस खण्ड में तदनुसार एक स्पष्टीकरण जोड़ा गया है।

18. खण्ड 16:--सिमिति का विचार है कि प्रस्तावित नवम अनुसूची में विभिन्न वस्तुओं या चीजों का उल्लेख करते समय आय-कर अधिनियम, 1961 की पांचवी अनुसूची की भाषा का यथासम्भव अनुसरण लाभ-प्रद होगा।

सिमिति सिफारिश करती है कि इस्पात की ढलाई तथा फोर्ज, उर्वरक, टेक्सटाइल और सीमेंट से सम्बधित वस्तुओं को पूर्नभाषित किया जाना चाहिये तथा पांचवीं अनुसूची में उल्लिखित समान वस्तुओं की भाषा के अनुरूप रखा जाना चाहिये।

प्रस्तावित नवम प्रनुसूची में वस्तुग्रों या चीजों की सूची में तदनुसार संशोधन किया गया है।

19. लण्ड 1, ग्रिधिनियम सूत्र ग्रीर ग्रीपचारिक किस्म के परिवर्तन :—लोक सभा में विधेयक 3 सितम्बर, 1973 को पुर:स्थापित किया गया था। समय व्यतीत हो जाने के कारण खण्ड 1, ग्रिधिनियम सूत्र तथा किन्हीं ग्रन्य खण्डों म कुछ संशोधन करना ग्रावश्यक हो गया है।

खण्ड एक के उपखण्ड (2) के कारण खण्ड 2, 6, 14, 17, 19, 21 तथा 22 जिनमें प्रारम्भ सम्बन्धी उपबन्ध नहीं है, 1973 के ग्रप्रैल के प्रथम दिन से प्रभावी माने जायेंगे। विधेयक के खण्ड 14, 17, 19 तथा 21 भूतलक्षी प्रभाव से नियम बनाने की शक्ति प्रदान करते हैं। इस शक्ति का उपयोग इस विधान के सम्बन्ध में राष्ट्रपति की ग्रनुमित प्रात्त होने के पश्चात् ही किया जा सकता है तथा समिति का विचार है कि इन खण्डों को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करना ग्रावश्यक नहीं है। खण्ड 2, 6 तथा 22 के प्रयोजन के लिये भूतलक्षी प्रभाव का होना महत्वपूर्ण है। इसलिये समिति की सिफारिश है कि खण्ड एक के उपखण्ड (2) का लोग कर दिया जाये तथा खण्ड 2, 6 तथा 22 में भूतलक्षी प्रभाव की व्यवस्था करने के विशिष्ट उपबन्ध बनाये जायें।

पूर:स्थापित किये गये विधेयक में खण्ड 5(क) तथा (ग) 7, 8, 9, 10, 11, 12 तथा 15 में प्रस्तावित संशोधन की 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन से लागू किये जाने का आदेश दिया गया था। क्योंकि 1974 के अप्रैल का प्रथम दिन समाप्त हों चुका है, सिमिति का विचार है कि निदेश का तदर्थ क रूप में संशोधन करना ग्रावश्यक है कि सम्बद्ध संशोधन को 1974 के अप्रैल के प्रथम दिन से किया गया माना जाये।

THE THE PARTY OF THE PARTY OF REAL PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY.

EPH PIR IT S TRIPLETE OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PERSON OF THE PARTY.

BLODING THE THE PERSON OF THE PROPERTY OF THE PERSON OF TH

THE TEN PIC IN SHORE SUITE BUT DESCRIPTION OF THE PERSON O

THE OF THE RESERVE OF THE PERSON NAMED IN THE

THE STREET OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PERSON NAMED IN THE PARTY OF T

THE PARTY OF THE PARTY WELL WILLIAM SERVING SOME THE PROPERTY WAS A SERVING TO SERVING FOR THE PARTY WHEN THE PARTY WAS A STREET WAS A

THE THE STREET THE STREET WAS DONE TO BE THE PARTY OF THE

THE PARTY OF THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF PARTY OF PARTY OF PARTY.

WHICH SER IN THE THE WHICH THE PER THE PER THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON

THE THE PART OF TH

TOTAL SERVICE OF THE PERSON OF THE PROPERTY OF THE PERSON OF THE PERSON

THE THE PERSON ASSESSMENT ASSESSMENT OF THE PARTY OF THE

THE ST TOWN R SP INT TRINGS (P) DOWNER IN THE PERSON WERE THE PERSON WHEN THE

THE P CASE FOR STATE BUT SHIP WHEN WE WIND THE RESIDENCE OF THE PERSON FOR THE PARTY OF THE PART

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE

TO PERFORM THE SEPTEMBER OF SET WOLL AND THE PART OF THE PART OF THE PARTY OF THE P

उपरोक्त उपबन्धों में तदनुसार संशोधन कर दिया गया है।

20. प्रवर सिमिति की सिफारिश है कि विधेयक संशोधित रूप में पारित किया जाये।

A COLUMN THE PETERS & SPINE SEE AND MADE AND ADDRESS OF THE PETERS OF TH

29 ग्रप्रैल, 1974 सभापति,

9 वैशाख, 1896 (शक)

नई दिल्ली; नरेन्द्र कुमार साल्वे,

·: I S THE PROPERTY HE BY IN WHEN

प्रवरं समिति।

985 LS-z

भाग में जिस्सा के अपने के अपने के जिस्सा है कि जिस्सा के जिस्सा के

PROPER PROPERTY OF THE PARTY OF THE PROPERTY O

एक

THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF

यह ग्रंभाव, बेरोजगारी, प्रगतिरोधता तथा मुद्रा स्फंति का युग है। उत्पादन को कम से कम वर्तमान स्तर पद बनायैरखनी ग्रांज की सर्वोच्च ग्रावश्यकता है। संयन्त्र बदलने में पूंजी निवेश किये बिना उत्पादन की मात्रा को बनाये रखा नहीं जा सकता। पूंजी निवेश के लिये धन राशि मुख्य रूप से कम्पनियों के स्नोतों से प्रोप्त होती है। यदि कर लगा कर इस धन राशि को उनसे ले लिया जाये तो कम्पनियों के पास इस कार्य के लिये कोई साधन नहीं रह जायेंगे। समाजवादी देश स्वीडन में निगमित कर 40 प्रतिशत है तथा ग्राधिक संस्थायें ग्रंभी भी 32 प्रतिशत की कम दर पर कर देती है। इसके विपरीत भारत में इस समय कम्पनियों पर 65 प्रतिशत तथा उससे ग्रंधिक कर लगाया जाता है। स्थिर ग्रास्तियों को बदलने की लगत तेजी से बढ़ती जा रही है। गत केवल 12 महीनों में ही थोक मूल्य सूचकांक 26 प्रतिशत बढ़ गया है। गत दशक में मंशीनरी के मूल्य का सूचकांक 100 प्रतिशत बढ़ गया है। ग्राधुनिकीकरण की बात तो जाने दीजिये जब उनके पास मशीनों की बदली करने के लिये कोई धन-राशि नहीं होगी तो सैकड़ों यूनिटें उत्पादन बन्द कर देंगी।

इसकी तुलना में विधेयक में 20 प्रतिशत प्रारम्भिक मूल्य ह्नास छूट के रूप में जो ग्रवास्तविक प्रोत्साहन दिया गया है उसका कुछ लाभ कर प्रभाव नहीं होगा। प्रारम्भिक मूल्य ह्नास छूट का ग्रर्थ यदि उससे कोई ग्राय प्राप्त होती है तो, ग्रास्थिगत कराधान के ग्रतिरिक्त कुछ ग्रौर नहीं क्योंकि कुछ मूल्य ह्नास छूट 100 प्रतिशत तक ही हो सकर्त। है। मूल्य ह्नास तथा विकास सम्बन्धी पहले की नीति के ग्रनुसार बट्टे खाते के लिये 120 से 135 प्रतिशत तक छूट दी जाती थी।

इसलिये मैं जोरदार शब्दों में आग्रह करता हूं कि प्रारम्भिक मूल्य ह्रास छूट बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दी जाये तथा कुल मूल्य ह्रास छूट बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दी जाना चाहिये। यह बात राष्ट्रीय हित में हैं क्योंकि हमारा उद्देश्य उत्पादन को बनाये रखना ही नहीं है वरना उसे बढ़ाना भी है।

नई दिल्ली; 25 ग्रप्रैल, 1974 डी॰ डी॰ देसाई

दो

विधि ग्रायोग ने ग्रपने बारहवें प्रतिवेदन में इस बात को ग्रत्यावश्यक समझा था कि "बहुत ग्रधिक जल्द बाजी में तथा ग्रच्छी तरह सोचे-समझे बिना संशोधन करने पर रोक लगायी जानी चाहिये क्योंकि ग्रायकर विधि में ग्रब तक इसी प्रकार के संशोधन किये जाते रहे हैं।" 1958 में यह प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने के बाद से कराधान विधि में 800 से ग्रधिक संशोधन किये जा चुके हैं। कानूनों में संशोधन करते जाने से इस विधि के विभिन्न उपबन्ध ग्रौर जटिल तथा ग्रस्पष्ट हो गये हैं तथा प्रस्तुत विधेयक भी इस बात का ग्रपवाद नहीं है।

नवम्बर 1973 में जब इस विधेयक को जल्दबाजी में विचार करके पारित किया जा रहा था, तब मैंने यह प्रस्ताव पेश किया था कि यह विधेयक प्रवर सिमिति को सौंप दिया जाये। जिन ग्रन्य सदस्यों ने इस चर्चा में भाग लिया था, उन्होंने भी मेरे इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। यद्यपि वित्त मंत्री बाद में मेरे इस सुझाव से सहमत हो गये थे परन्तु ग्रारम्भ में उन्होंने इस विधेयक को प्रवर सिमिति को सौंपे जाने की ग्रावश्यकता ग्रनुभव नहीं की थी। इस चर्चा के उपरान्त वित्त मंत्री प्रवर सिमिति नियुक्त करने के लिये सहमत हो गये, इसके लिये मैं उनकी बुद्धिमत्ता की प्रशंसा करता हूं।

मेरे विचार में, विधेयक के निम्नलिखित खण्डों का प्रारूप तैयार करने ग्रौर उनकी विषय-वस्तु के संबंध में ग्रौर ग्रधिक ध्यान दिया जाना चाहिये तथा उनमें ग्रौर ग्रधिक स्पष्टता लायी जानी चाहिये।

खण्ड 2:--ग्रपने संशोधन में मैंने सुझाव दिया था कि स्पष्टीकरण में डिजाइन तथा परिनिर्माण से संबद्ध कियाकलापों के संबंध में भी व्याख्या सम्मिलित की जाये। विधेयक में इस संशोधन द्वारा उप-खण्ड (क) में लगाया गया वह प्रतिबन्ध हट जाता

(x)

है जो स्पष्टतः 'तकनीशियनों' के बारे में है। जब तक तकनीशियन संबंधी स्पष्टीकरण में संशोधन नहीं किया जाता बब तक विधेयक में प्रस्तावित संशोधन करने से अभीष्ट उद्देश्य पूरा नहीं होगा क्योंकि यह संशोधन स्वयं आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के खण्ड 6 के उप-खण्ड (सात) (क) के कार्य क्षेत्र से पूर्णतः बाहर रहेगा।

खण्ड 3—इस खण्ड में 'नया पोत' तथा 'नयी मशीनरी' की परिभाषा में परिवर्तन करके उसमें "निर्धारिती के स्वामित्वा-धीन तथा व्यापार या व्यवसाय के प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त" शब्द भी जोड़े जाएं। "ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 32 के ग्रारम्भ के शब्द इस सम्बन्ध में सहायक नहीं होंगे क्योंकि यह पद केवल ''भवन निर्माण मशीनरी संयंत्र या फर्नीचर" तक सीमित है। संयंत्र पद की धारा 43 में जो परिभाषा दी गयी है उस में 'एकपोत सहित' शब्द भी सम्मिलत है। ग्रतः इस परिभाषा में नये वायुयान की तो बात ही क्या वायुयान भी सम्मिलित नहीं है। 'नया पोत' तथा 'नया वायुयान' पद 'पोत तथा मशीनरी' से बिलकुल भिन्न है। धारा 31 में जिन वस्तुग्रों के बारे में कहा गया है, ये उनसे बिल्कुल भिन्न हैं ग्रीर यदि ग्राय-कर ग्रिधिकारी निर्धारिती के स्वामित्वाधीन तथा कारबार के लिए प्रयुक्त नये पोत ग्रीर नयी मशीनरी तथा संयंत्र पर प्रारम्भिक मूल्य हास नहीं देता तो निर्धारिती प्रस्तावित्र उप-खंड (छ:) में इन महत्वपूर्ण शब्दों का लोप होने की ग्रीर घ्यान दिला कर ग्रिधिकारी द्वारा की गई कार्यवाही की सफलता पूर्वक चुनोती दे सकता है।

खण्ड 3 के वर्तमान रूप में भी भारत के आनिवासी के लिए विकास रिबेट प्राप्त करने तथा उस परिसम्पत्ति को कपटपूर्ण व्यवस्था द्वारा भारत के किसी नागरिक को अन्तरित करने की पर्याप्त गुंजायश है। आयकर अधिनियम के अधीन निवासी तथा अनिवासी दोनों निर्धारितियों के संबंध में कुल आय पर एक ही आधार पर कर-निर्धारण किया जाता है। अनिवासी को वे सभी रियायते दी जाती हैं जो किसी निवासी निर्धारिती को प्राप्त हैं। उनमें कोई अन्तर नहीं किया गया है।

खण्ड 13 के सम्बन्ध में मुझे आशंका है कि इससे लेखाओं में हेरा फेरी करने तथा कर-ग्रपवंचन करने की बहुत ग्रधिक गुंजायण रहेगी। यह बात आयकर आयोग बनाम बैजिटेबल प्रोडक्ट्स लिमिटेड वाले मुकदमे में सरकार द्वारा उच्चतम-न्यायालय के समक्ष रखे गए तकों के एकदम विपरित हैं। उक्त मामले में सरकारी वकील ने यह तर्क प्रस्तुत किया था कि "देय शास्ति का निर्धारण करते समय, अग्रिम रूप से दिए गए या स्रोत पर काटे गए करों को घ्यान में नहीं रखा जाएगा।"

इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकतीं कि पिछड़े क्षेत्रों में ग्रौद्योगिक उपक्रमों की स्थापना के लिए प्रोत्साहन दिए जाने चाहिए परन्तु विधेयक में किसी क्षेत्र में पिछड़ेपन का निर्धारण करने के लिए कोई उपयुक्त मानदण्ड निर्धारित नहीं किया गया है। योजना ग्रायोग द्वारा ग्रपनाये गए मानकों तथा कार्यविधि के सम्बन्ध में ग्रापत्ति की जा सकती है ग्रतः इन पर ग्रागे विचार किया जाना चाहिए। सारे जिले को पिछड़ा हुग्रा या उन्नत घोषित करना सन्तोषजनक प्रतीत नहीं होता क्योंकि तथा-कथित 'विकसित' जिले का कोई भाग पिछड़ा हुग्रा हो सकता है तथा इसी प्रकार तथाकथित 'पिछड़े' जिले का कोई भाग 'विकसित' भी हो सकता है। ग्रतः प्रशासन की सुविधा की दृष्टि से किए गए इस प्रकार के निर्धारण के कारण किसी क्षेत्र या इलाके को इन प्रोत्साहनों से होने वाले लाभों से वंचित नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि ग्राण्चर्य नहीं यदि राज्य सरकारें इस खण्ड के ग्रधीन दिए जाने वाले लाभों को प्राप्त करने के लिए ग्रधिकाधिक जिलों तथा क्षेत्रों को 'पिछड़ा' घोषित करने के प्रयास में एक दूसरे से होड़ करने लगें।

नवम अनुसूची की युक्तिसंगतता समझ में नहीं आती है। पांचवीं अनुसूची की तुलना में इस सूची में कुछ उद्योगों को सिम्मिलित किए जाने या छोड़ दिए जाने की कोई युक्तिसंगतता या कारण प्रतीत नहीं होता। जब मंत्रालय ने हमें अधिनियम की पांचवीं अनुसूची की कुछ मदों की नवम अनुसूची में सिम्मिलित न करने के सम्बन्ध में टिप्पण भेजा तो स्थिति और अधिक अस्पष्ट होगयी। उदाहरणार्थ 'कीटनाशी दवाइयां' अधिनियम की पांचवीं अनुसूची की एक मद है परन्तु विधेयक को नवम अनुसूची में इस मद को नहीं रखा गया। इसके सम्बन्ध में विभाग ने यह कारण बताया है कि "इस मद पर किसी प्रकार का मूल्य नियंत्रण नहीं है अतः यह अनुभव किया गया है कि इस उद्योग के लिए प्रारम्भिक मूल्य ह्वास सम्बन्धी छूट देना आवश्यक नहीं है।"

इसी प्रकार विभाग ने ग्राटोमोबाइल पुर्जों, जोड़ रहित निलयों, गियरों, बाल, रोलर तथा 'टेपर्ड बियारिंग' (पांचवी ग्रनुसूची में पर संख्या 20 से 23) को नवम ग्रनुसूची में पूरी तरह छोड़ दिया है तथा यह तर्क दिया है कि ग्राज बाजार में विकेता मनुसूची में पर संख्या 24) को इस ग्रनुसूची में सम्मिलित न किए जाने का यह कारण बताया गया है कि "इसके मूल्य नियंत्रित ग्रनुसूची की मद संख्या 24) को इस ग्रनुसूची में सम्मिलित न किए जाने का ग्राधार यह प्रतीत होता है कि यदि किसी वस्तु का नहीं है।" ग्रतः किसी मद को उक्त ग्रनुसूची में सम्मिलित न किए जाने का ग्राधार यह प्रतीत होता है कि यदि किसी वस्तु का जितना मूल्य विकेता मांगते हैं, उतना देना पड़े ग्रीर उस पर मूल्य नियंत्रण न हो तो उस मद को उक्त ग्रनुसूची में सम्मिलित जितना मूल्य विकेता मांगते हैं, उतना देना पड़े ग्रीर उस पर मूल्य नियंत्रण की कोई ऐसी मद नहीं है जिसके सम्बन्ध न किया जाता है। यदि यही बात है तो भारत में इस समय उत्पादन तथा वितरण की कोई ऐसी मद नहीं है जिसके सम्बन्ध में विकेता जितना मूल्य मांगे उतना न देना पड़े तथा उन पर किसी प्रकार का कोई प्रभावी मूल्य-नियंत्रण हो।

जब ग्रनाज का उत्पादन त्रन्त बढ़ाने की ग्रावश्यकता है तो यह बात समझ में नहीं ग्राती कि कीटनाशियों के उत्पादन को नवम अनुसूची में शामिल क्यों नहीं किया जाता। कृषि मंत्रालय ने भारतीय कीटनाशी संस्था द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन पर अपनी टिप्पणी करते हुए कहा है :

"यह उल्लेख कर दिया जाए कि कीटनाशी उद्योग को परमावश्क उद्योग माना गया है क्योंकि यह उद्योग उन वस्तुग्रों का उत्पादन करना है जिनकी ग्राम खपत के लिए ग्रावश्यकता है। कीटनाशी की स्पष्ट परिभाषा की जा सकतो है ग्रीर इसलिए इस सम्बन्ध में दी गई रियायत का दुरुपयोग होने की बहुत कम सम्भावना है।" यदि वित्त मंत्री मेरा संशोधन स्वीकार नहीं करना चाहते हो तों उन्हें कम से कम सरकार के अन्य मंत्रालयों की सिफारिशों पर तो कुछ विचार करना चाहिए था।

इसके अतिरिक्त, नवम अनुसूची की यह संख्या 8 में "अौद्यागिक अोर कृषि मशीनरी" शब्दों का जो उल्लेख किया गया है वह बहुत ग्रस्पष्ट है ग्रौर इसक़े ग्रतंगत सभी प्रकार की मशीनें ग्रौर उपकरण ग्रा जाते हैं। इस विधेयक में जो किमयां ग्रौर बचाव के रास्ते रह गए हैं उन्हें दूर करने के लिए सरकार शी घ्र ही फिर से विधेयक में और संशोधन करेगी।

नई दिल्ली ;

इरा संझियान

25 ग्रप्रैल, 1974

तोन

यह प्रतीत होता है कि हमारे देश में सरकार की यह धारणा बन चुकी है कि जब तक उद्योगपितयों को करों में राहत देकर प्रोत्साहन नहीं दिया जाता तब तक देश में उद्योगों का विस्तार नहीं हो सकता ग्रौर यह कि देश के पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों का विकास करने के लिए विशेष प्रात्साहन दिया जाना चाहिए। बड़े उद्योगों के प्रतिनिधियों का, जिन्होंने प्रवर समिति के समक्ष स्पष्ट किया, यह विचार था कि करों में राहत देकर उद्योगपितयों को पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं दिया जा रहा है स्रौर यह कि स्रव तक जो विकास छुट दी जाती रही है वह न केवल जारी ही रखी जाए अपितु और भी अधिक राहत दी जाए। इन प्रतिनिधियों की सर्वसम्मत राय यह की कि विधेयक के उपबब्धों में प्रारम्भिक अवक्षयण की जो व्यस्था की गई है वह वहुत ही अपर्याप्त है भ्रौर उससे कोई उपयोगी या व्यावहारिक प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा।

मैं न तो सरकारी विचारधारा को स्वीकार करता हूं और न ही बड़े उद्योपतियों की ग्रोर से किए-गए साक्ष्य से प्रभावित हुम्रा हुं। कर की उच्च दर लगाकर तथाकथित हतोत्साहित के बाबजूद भी, जैसे कि म्रिभिकथित किया गया है, यह सर्वविदित है कि एकाधिकारी घरानों भीर बड़े भीद्योगिक घरानों ने अपने काफी कारोवार का कई गुना विस्तार किया है भीर उनके संसाधनों भीर परिसम्पत्तियों में ग्रसाधारण वृद्धि हुई है। यह नहीं बताया गया कि तथाकथित प्रोत्साहन न देने के बाद भी उन्होंने इतना विस्तार या इतनी वृद्धि कैसे कर ली है। मेरा विचार है कि केवल करों में राहत देकर जैसा कि विधेयक में प्रस्ताव किया गया है, जिसे कुछ साक्षियों ने बहुत मामूली कहा है, गैर-सरकारी पूंजी को नये उद्योग शुरू करने के लिए राजी नहीं किया जा सकता। इसके लिए बहुत प्रभावशाली औद्यागिक नीति, एकाधिकार और बड़े व्यापारिक घरानों पर नियंत्रण और लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देने की भावश्यकता है। चूंकि विकास छुट समाप्त की जा रहीं है इसलिए यह विदित होता है कि विधेयक में प्रारम्भिक अवक्षयण प्रदान करने की व्यवस्था बड़े उद्योग और एकाधिकार घरानों की मुहभराई के लिए की जा रही है। मेरा विचार है कि देश की वर्तमान स्थिति में स्रोर एकाधिकार स्रोर बड़े व्यापारिक घरानों द्वारा किए गये कामों को घ्यान में रख़ते हुए, ज हें विकास छुट नहीं दी जानी चाहिए। तथापि मुझे इस बात की खुशी है कि समिति ने मेरे इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया कि प्रारम्भिक प्रविक्षण के लिए ग्रधिकारी उद्योगों में लघु उद्योगों को भी शामिल कर लिया गया है।

ग्रष्टम् ग्रनुसूची में जो पिछड़े क्षेत्रों की सूची दी गई है वह सर्वागपूर्ण नहीं है । इस सूची में पश्चिम बंगाल के सुन्दरबन ग्रीर 24-परगना जिले के बरासित सब-डिबीजन जैसे कई पिछड़े क्षेत्र शामिल नहीं है क्योंकि यह सूची जिलों को इकाई मानकर बनाई गई है । चूंकि योजना ग्रायोग ने पिछड़े क्षेत्रों की सूची जिलावार बनाई है केवल इसी सिंद्वान्त पर बिना सोचे समझे विधेयक में इस सूची को स्वीकार नहीं दिया जाना चाहिए था।

THE THE PERSON OF THE PERSON AND PERSON AND PERSON AS THE PERSON AS THE

AND DESCRIPTION OF THE PROPERTY OF THE PROPERT

THE TEN OF THE PERSON OF THE P सोमनाथ चटर्जी

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE नई दिल्ली; 29 ग्रप्रैल, 1974 THE PERSON OF THE REAL PROPERTY AND DESCRIPTION OF THE PARTY OF THE PA

1973 का विधेयक सं० 75-क

THE OF THE

I PETER

[डाइरेक्ट टैक्सेस (अमेंडमेंट) बिल, 1973 का हिन्दी अनुवाद]

THE RELEASE OF STREET, SHOWING ASSESSMENT OF THE RESIDENCE OF THE RESIDENC

THE PERSON IN THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO

RESERVED TO THE RESERVED TO SELECT THE RESERVED TO SELECT THE RESERVED TO SELECT THE RESERVED TO SERVED THE RESERVED THE RESERVED TO SERVED THE RESERVED THE

प्रत्यक्ष कर संशोधन विधेयक 1973

(जैसा प्रवर समिति ने रिपोर्ट किया है)

(जिन शब्दों के पार्श्व में या नीचे रेखाएं खिची हैं वे सिमिति द्वारा सुझाए गये संशोधन हैं। जहां तारक चिह्न है वहां लोप कियां गया है)

ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1961, धन-कर ग्रधिनियम, 1957, दान-कर ग्रधिनियम, 1958 ग्रीर कम्पनी (लाभ) ग्रतिकर ग्रधिनियम, 1964 का ग्रीर संशोधन करने के लिए ग्रीर तत्सम्बन्धी कुछ विषयों के लिए उपबन्ध करने के लिए

भारत गणराज्य के पच्चीसवें वर्ष में संसद् द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधि-नियमित हो :--

ग्रध्याय 1

प्रारम्भिक

5

(1) इस ग्रिधिनियम का संक्षिप्त नाम प्रत्यक्ष कर (संशोधन) ग्रिधिनियम, संक्षिप्त नाम ।
 1974 है।

ग्रध्याय 2

श्राय-कर ग्रधिनियम, 1961 का संशोधन

2. ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1961 की (जिसे इसमें इसके पश्चात् ग्राय-कर धारा 10 का म्रधिनियम कहा गया है) धारा 10 में,--संशोधन ।

1961 事[43

(क) खण्ड (6) के उपखण्ड (vii क) के स्पष्टीकरण के पहले निम्नलिखित परन्तुक ग्रन्तःस्थापित किया जाएगा ग्रौर 1973 के ग्रप्रैल के प्रथम दिन से ग्रन्तःस्थापित किया गया समझा जाएगा, ग्रर्थात्:---

"परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि वह लोक हित में ऐसा करना ग्रावश्यक या समीचीन समझे तो, ऐसे व्यष्टि की दशा में जो भारत में किसी मशीनरी या संयंत्र के डिजाइन, परिनिर्माण या प्रारम्भ करने 10 के लिए या ऐसे डिजाइन, परिनिर्माण या प्रारम्भ करने से सम्बद्ध कार्यकलापों के ग्रवीक्षण के लिए नियोजित है, इस उपखण्ड की मद (1) में विनिर्दिष्ट शर्त का अधित्यजन कर सकती है।";

(ख) खण्ड (15) में, उपखण्ड (iV) की मद (ग) के पश्चात् निम्नलिखित मदें ग्रन्त:स्थापित की जाएंगी ग्रौर 1973 के ग्रग्रैल के प्रथम दिन से 15 ग्रन्त:स्थापित की गई समझी जाएंगी, ग्रर्थात् :---

"(घ) ग्रौद्योगिक वित्त निगम ग्रिधिनियम, 1948, द्वारा स्थापित भारतीय ग्रौद्योगिक वित्त निगम या भारतीय ग्रौद्योगिक 现一是 5 0 15 市界期的 T विकास बैंक अधिनियम, 1964 के अधीन स्थापित भारतीय ग्रौद्योगिक विकास बैंक या भारतीय ग्रौद्योगिक प्रत्यय ग्रौर विनि- 20 धान निगम (जो भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1913 के अधीन विरचित और रजिष्ट्रीकृत कम्पनी है) द्वारा किन्हीं ऐसी धन-राशियों पर संदेय हो जो उसने भारत के बाहर के स्रोतों से उधार ली हों, उस परिमाण तक जिस तक कि ऐसा ब्याज, ब्थाज की उस रकम से ग्रधिक नहीं है जो उधार ग्रौर उसके प्रतिसंदाय के निबन्धनों को ध्यान में रखकर, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त अनुमोदित दर पर परिकलित हो ;

> (ङ) भारत में स्थापित किसी अन्य वित्तीय संस्था द्वारा या किसी बैंककारी कम्पनी द्वारा जिसको बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 लागू होता है (जिसके अन्तर्गत वह बैंक या बैंककारी संस्था भी है जिसके प्रति उस ग्रधिनियम की धारा 51 में निर्देश किया गया है) उन धनराशियों पर संदेय हो जो उसने भारत के बाहर के स्रोतों से केन्द्रीय सरकार द्वारा ग्रन्मोदित उधार-करार के ग्रधीन उधार ली हों, जहां धनराशियां या तो भारत में ग्रौद्यो-गिक उपकमों को भारत के बाहर कच्चे माल या पूंजी संयंत ग्रौर मशीनरी के कय के अथवा ऐसे माल के ग्रायात के प्रयोजन के लिए जिसका ग्रायात करना केन्द्रीय सरकार लोक हित में भ्रावश्यक समझे, उधार ली हों, उस परिमाण तक जिस तक कि ऐसा ब्याज, ब्याज की उस रकम से ग्रधिक नहीं है, जो उधार ग्रौर उसके प्रतिसंदाय के निबन्धनों को ध्यान में रख कर, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त अनुमोदित दर पर परिकलित हो।";

1 DIF PRINT PRINTS (PRINT

1964 का 18

1913 朝 7

30 1949 का 10

	(1) ७०० (1)) क पश्चात् निम्नालाखत खण्ड ग्रन्तःस्थापित किया जाएंगी		
	ग्रौर 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन से ग्रन्त:स्थापित किया गया समझा		
	जाएगा, ग्रर्थात् :		
	"(17क) केन्द्रीय सरकार द्वारा या किसी राज्य सरकार द्वारा स्था-		
5			
	वैज्ञानिक और कलात्मक कार्य या योग्यता या खेल या कीड़ाओं		
	में प्रवीणता के लिये पुरस्कार के अनुसरण में किए गए संदाय,		
	चाह नकदी में हों या वस्तु रूप में :		
0.1	परन्त केन्द्रीय सरकार द्वारा ग्रानदन ग्रामणेटन केने		
10	निधारण वर्ष या वर्षों के लिए प्रभावी होगा (जिसके अन्तर्गत		
	वह निर्धारण वर्ष या वे निर्धारण वर्ष भी हैं जो ऐसे अनमोदन		
	के अनुदत्त किये जाने को तारीख के पहले प्रारम्भ होते हैं)		
	जो अनुमोदन अनुदत्त करने वाले आदेश में विनिर्दिष्ट किया		
61	TRAINING MEN STUDIES OF THE SECOND SE		
15	(17ख) केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा ऐसे प्रयोजन		
	के लिए जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त लोक हित में अनुमोदित किया जाए, पारितोषिक के रूप में किया गया संदाय,		
	चाहे नकदी में हो या वस्तु रूप में;"		
	3. अ।य-कर अधिनियम की धारा 32 में, 1975 के अप्रैल के प्रथम दिन से,	धारा 32	ਜ ੀ
20	(क) उपधारा (1) में खण्ड (V) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड ग्रीर	संशोधन ।	का
	स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :		
	'(Vi) 1974 की मई के 31वें दिन के पश्चात् अर्जित किसी नए पोत		
	. या नए वायुयान की दशा में ऐसे निर्धारिती द्वारा,जो पोत या वाय-		
	यान चलाने के कारबार में लगा हुआ है या उस तारीख के		
	पश्चात् विद्युत् के या किसी ग्रन्य रूप में शक्ति के उत्पादन या		
97.	वितरण के कारबार के प्रयोजन के लिए या नवम् अनुसूची की		
	सूची में विनिर्दिष्ट चीजों या वस्तुग्रों में से एक या ग्रिधिक के सन्निर्माण, विनिर्माण या उत्पादन के प्रयोजन के लिए संस्था-		
	पित (कार्यालय साधित या सड़क परिवहन यानों से भिन्न)		
30	नई मशनरी या संयंत्र की दशा में उस तारीख के पश्चात्		
	किन्हीं ग्रन्य चीजों या वस्तुग्रों के विनिर्माण या उत्पादन के		
	कारबार के प्रयोजन के लिए किसी लघु ग्रौद्योगिक उपक्रम में		
	स्थापित (कार्यालय साधिव्र या सड़क परिवहन यानों से भिन्न)		
	नई मशीनरी या संयंत्र की दशा में, उस पूर्व वर्ष की बाबत जिसमें		
	पोत या वायुयान अजित किया जाता है या मशीनरी या संयंत्र		
	ठीक बाद के पूर्व वर्ष में सर्वप्रथम उपयोग में लाया जाता है		
	तो उस पूर्व वर्ष की बात उस पोत, वायुयान, मशीनरी या		
	संयंत्र की निर्धारिती को वास्तविक लागत के बीस प्रतिशत के		
	बराबर राशि; किन्तु ऐसी राशि खण्ड (ii) के प्रयोजनों के		
10	लिए अवलिखित मूल्य के अवधारण के लिए कटौती योग्य नहीं		
	PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE		
	परन्तु निधारिता, धारा 139 की उपधारा (1)या उपधारा		
	(2) के अधीन उस निधारण वर्ष की, जिसकी बाबत वह इस		
	खण्ड के अधीन पहली बार कटौती का हकदार हुआ हो,		

भ्राय की विवरणी देने के लिये अनुज्ञात समय की समाप्ति से पूर्व, चाहे वह मूल रूप से नियत किया गया हो या बढ़ाया गया हो, ग्रायकर ग्रधिकारी को यह लिखित घोषणा दे सकेगा कि इस खण्ड के उपबन्ध उसको लागू नहीं होंगे, ग्रौर यदि वह ऐसा कर देगा तो इस खण्ड के उपबन्ध उसको उस निर्धारण वर्ष के लिए ग्रौर प्रत्येक पश्चात्वर्ती निर्धारण वर्ष के लिये लागू नहीं होंगे, किन्तु ऐसा इस प्रकार होगा कि निर्धारिती धारा 139 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के ग्रधीन किसी एसे पश्चात्वर्ती निर्धारण वर्ष के लिए ग्राय की विवरणी देने के लिए ग्रनुज्ञात समय की समाप्ति से पूर्व, चाहे वह मूल रूप से नियत किया गया हो या बढ़ाया गया हो, ग्रपनी घोषणा को प्रतिसंहत कर सकेगा ग्रौर ऐसे प्रतिसंहरण पर, इस खण्ड के उपबन्ध निर्धारिती को, उस पश्चात्वर्ती वर्ष के लिए ग्रौर उसके बाद वाले प्रत्येक निर्धारण वर्ष के लिए, लागू होंगे :

परन्तु यह ग्रौर कि इस खण्ड के ग्रधीन निम्नलिखित की बाबत कोई कटौती ग्रनुज्ञात नहीं की जाएगी —

- (क) किसी कार्यालय के परिसर या किसी निवास स्थान में, जिसके ग्रन्तर्गत ग्रातिथि-गृह के प्रकार का स्थान भी है, संस्थापित मशीनरी या संयंत्र, ग्रीर
- (ख) ऐसा पोत, वायुयान, मशीनरी या संयंत्र जिसकी 20 बाबत, धारा 33 के ग्रधीन विकास रिबेट के रूप में कटोती ग्रनुज्ञेय है।

स्पष्टीकरण--इस खण्ड के प्रयोजनों के लिए--

- (1) "नया पोत" या "नया वायुयान" के ग्रन्तर्गत ऐसा पोत या वायुयान है जो निर्धारिती द्वारा ग्रर्जन की तारीख के पूर्व 25 किसी ग्रन्य व्यक्ति के उपयोग में था किन्तु ऐसे ग्रर्जन की तारीख के पहले किसी समय भारत में निवासी किसी व्यक्ति के स्वामित्वाधीन नहीं था ;
 - (2) "नई मशीनरी या संयंत्र" के ग्रन्तर्गत ऐसी मशीनरी या संयंत्र है जो निर्धारिती द्वारा उसके संस्थापन 30 के पूर्व भारत से बाहर किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोग में था यदि निम्नलिखित शर्ते पूरी होती हैं, ग्रथित् :—
 - (क) निर्धारिती द्वारा उसके संस्थापन की तारीख के पूर्व किसी समय ऐसी मशीनरी या संयंत्र का भारत में उपयोग नहीं किया गया था ;
 - (ख) एसी मशीनरी या संयंत्र भारत में * * * भारत से बाहर किसी देश से आयात किया गया है ; ग्रीर
 - (ग) ऐसी मशीनरी या संयंत्र की बाबत ग्रवक्षय के कारण कोई कटौती भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 या इस ग्रधिनियम के उपबन्धों के ग्रधीन किसी व्यक्ति की निर्धारिती द्वारा उस मशीनरी या संयंत्र के संस्थापन की तारीख से पूर्व किसी

1922 का 11

35

कालावधि के लिए कुल ग्राय की संगणना में ग्रन्जात नहीं की गई है या ग्रन्ज्य नहीं है;";

- (3) किसी श्रौद्योगिक उपक्रम को तब लघु श्रौद्योगिक उपक्रम समझा जाएगा जबिक उपक्रम के कारबार के प्रयोजनों के लिए संस्था- पित मशीनरी श्रौर संयंत्र का पूर्व वर्ष के श्रन्तिम दिन सकल मूल्य सात लाख पचास हजार रुपए से श्रधिक न हो ; श्रौर इस प्रयोजन के लिए मशीनरी का संयंत्र का मूल्य,—
 - (क) निर्धारिती के स्वामित्वाधीन मशीनरी या संयंत्र की दशा में, उस पर निर्धारिती की वास्तविक लागत होगा ; ग्रौर
 - (ख) निर्धारिती द्वारा किराए पर ली गई मशीनरी या संयंत्र की दशा में, उसकी वह वास्तविक लागत होगा जो उस मशीनरी या संयंत्र के स्वामी की दशा में होता । ;
- (ख) उपधारा (2) में "या खण्ड (V)" शब्द, कोष्ठक ग्रौर ग्रंक के पश्चात् "या खण्ड (VI)" शब्द, कोष्ठक ग्रौर ग्रंक ग्रन्त:स्थापित किए जाएंगे।

4. ग्राय कर ग्रधिनियम की धारा 34 को, उपधारा (2) के खण्ड (i) में धारा 34 का "या खण्ड (iv)" शब्द, कोष्ठक ग्रौर ग्रंक के पश्चात् "या खण्ड (v) या खण्ड (vi)" संशोधन । शब्द, कोष्ठक ग्रौर ग्रंक 1975 के ग्रप्रैल के प्रथम दिन से ग्रन्तःस्थापित किए जाएंगे।"।

5. ग्राय-कर ग्रधिनियम की धारा 35 में,---

धारा 35 का

1 FISHER

回 208 E

I BEIDE

(क) उपधारा (1) के खण्ड (i) में, ग्रन्त में निम्नलिखित स्पष्टीकरण संशोधन। ग्रन्त:स्थापित किया जाएगा ग्रीर 1974 के ग्रग्रैल के प्रथम दिन सं ग्रन्त:स्थापित किया गया समझा जाएगा, ग्रथित :--

"स्पद्धीकरण—जहां ऐसा कोई व्यय कारबार के प्रारम्भ होने के पूर्व (जो 1973 के ग्रप्रैल के प्रथम दिन से पहले नियत या किया गया व्यय नहीं है) ऐसे वैज्ञानिक ग्रनुसन्धान में लगे हुए कर्मचारी को वेतन के संदाय में [धारा 40क की उपधारा (5) के नीचे दिए गए स्पष्टीकरण 2 में यथापरिभाषित] या ऐसे वैज्ञानिक ग्रनुसन्धान में उपयोग की जाने वाली सामग्री के क्रय पर नियत, या किया गया, है वहां, उस कारबार के प्रारम्भ के ठीक पहले के तीन वर्ष के भीतर इस प्रकार किया गया कुल व्यय, उस विस्तार तक जहां तक विहित प्राधिकारी उसे ऐसे वैज्ञानिक ग्रनुसन्धान पर किया गया व्यय प्रमाणित करता है, उस पूर्व वर्ष में नियत, या किया गया, व्यय समझा जाएगा जिसमें कारबार प्रारम्भ होता है;";

(ख) उपधारा (2) के खंड (iv) में, "ग्रौर (iii)" शब्द, कोष्ठक ग्रीर ग्रंक के स्थान पर, "(iii) ग्रौर (vi)" कोष्ठक, ग्रंक ग्रौर शब्द 1975 के ग्रप्रंल के प्रथम दिन से रखे जाएंगे;

I THE THE THE PARTY WITH THE PARTY AS TO THE PROPERTY.

35

20

25

30

(ग) उपधारा (2) के पश्चात्, निम्नलिखित उपधारा अन्तःस्थापित की जाएगी और 1974 के अप्रैल के प्रथम दिन से अन्तःस्थापित की गई समझी जाएगी, अर्थात् :—

"(2क) जहां निर्धारिती उपधारा (1) के खंड (ii) में निर्दिष्ट किसी वैज्ञानिक अनुसन्धान संगम, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय 5 या अन्य संस्था को ऐसे * * वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए जो भारत की सामाजिक, आधिक और अौद्योगिक आवश्यकताओं को घ्यान में रखते हुए, विहित प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त अनुमोदित कार्यक्रम के अधीन हाथ में लिया गया हो प्रयुक्त किए जाने के लिए कोई राशि संदत्त करता है वहां,— 1

(क) इस प्रकार संदत्त राशि के एक सही एक बटा तीन के बराबर राशि कटौती के रूप में ग्रनुज्ञात की जाएगी ; ग्रीर

(ख) उसी निर्धारण वर्ष या किसी ग्रन्य निर्धारण वर्ष के लिए उप-धारा (1) के खंड (ii) के ग्रधीन ऐसी राशि की बाबत 15 कोई कटौती ग्रनुज्ञात नहीं की जाएगी।"।

20

685 LS-3

धारा 35ख का संशोधन।

SE TYTE

6. ग्राय-कर ग्रधिनियम की धारा 35ख की उपधारा (1) के खंड (क) में, ग्रन्त में निम्नलिखित परन्तुक ग्रन्तःस्थापित किया जाएगा ग्रौर 1973 के ग्रप्रैल के प्रथम दिन से ग्रन्तःस्थापित किया गया समझा जाएगा, ग्रर्थात्:—

THE AC INTER PROPERTY OF PROPERTY OF THE PARTY OF THE PAR

'परन्तु किसी देशो कम्पनी द्वारा, जो ऐसी कम्पनी है जिसमें जनता पर्याप्त रूप से हितबद्व है 1973 की फरवरी के 28वें दिन के पश्चात् उपगत व्यय की बाबत, इस खण्ड के उपबन्धों का इस प्रकार प्रभाव होगा मानों ''एक सही एक बटा तीन'' शब्दों के स्थान पर ''एक सही एक बटा दो'' शब्द रखे गए हैं।''।

धारा 40क का संशोधन। 7. ग्राय-कर ग्रधिनियम की धारा 40क की उपधारा (5) के खंड (क) के उपखंड (i) में, ग्रन्त में निम्नलिखित परन्तुक ग्रन्तःस्थापित किया जाएगा ग्रौर 1974 के ग्रप्रैल के प्रथम दिन से ग्रन्तःस्थापित किया गया समझा जाएगा, ग्रथीत्:—

"परन्तु जहां व्यय कारवार के प्रारम्भ के ठीक पहले के तीन वर्षों में से एक या ग्रधिक के दौरान वैज्ञानिक ग्रनुसन्धान में लगे हुए किसी कर्मचारी या भूतपूर्व कर्मचारी को वेतन के संदाय में उपगत किया जाता है ग्रौर ऐसा व्यय अधारा 35 की उपधारा (1) के खंड (i) के स्पष्टीकरण के ग्रधीन उस पूर्व वर्ष में नियत, या किया गया, व्यय समझा जाता है जिसमें कारवार प्रारम्भ किया गया था वहां उस पूर्व वर्ष के सम्बन्ध में जिसमें कारवार प्रारम्भ किया जाता है, इस उपखंड में निह्वष्ट सीमा वह रकम होगी जो जिस पूर्व वर्ष में ऐसा कारवार प्रारम्भ किया जाता है, उसके दौरान भारत में उसके नियोजन की कालावधि में ग्रीर भारत में उसके नियोजन की कालावधि में जिसमें उस पूर्व वर्ष के ठीक पहले के तीन वर्ष के दौरान वह वैज्ञानिक ग्रनुसन्धान में लगा हुग्रा था, ग्रन्तिवष्ट प्रत्येक मास या उसके भाग के लिए पांच हजार रुपए की दर से प्राक्कितत की जाएगी।"।

धारा 80क का संशोधन।

8. ग्राय-कर ग्रधिनियम की धारा 80क की उपधारा (3) में, "धारा 80ज" शब्द ग्रंक ग्रीर ग्रक्षर के स्थान पर "धारा 80ज या धारा 80जज" शब्द, ग्रंक ग्रीर ग्रक्षर रखे जाएंगे ग्रीर 1974 के ग्रग्नेल के प्रथम दिन से रखे गए समझे जाएंगे। 9. श्राय-कर अधिनियम की धारा 80ज के पश्चात् निम्नलिखित नई धारा अन्त:- नई धारा 80जज संथापित की जाएगी और 1974 के अप्रैल के प्रथम दिन से अन्त:स्थापित की गई का अन्त:स्थापन। समझी जाएगी, अर्थात्:--

"80जज. (1) जहां निर्धारितों की सकल कुल ग्राय में किसी ऐसे ग्रौद्योगिक उपक्रम में, या होटल के कारबार से जिसको यह धारा लागू होती है व्युत्पन्न कोई लाभ ग्रौर ग्राभिलाभ भी हैं वहां, इस धारा के उपवन्धों के ग्रनुसार ग्रौर ग्रधीन निर्धारिती की कुल ग्राय की संगणना में, ऐसे लाभ ग्रौर ग्राभिलाभ की रकम के बीस प्रतिशत के बराबर कटौती ग्रनुज्ञात की जाएगी।

पिछड़े क्षेत्रों में
नए स्थापित
ग्रौद्योगिक उपकमों
या होटल कारबार
से लाभ ग्रौर
ग्रभिलाभ की
बाबत कटौती।

(2) यह धारा ऐसे श्रौद्योगिक उपक्रम को लागू होती है जो निम्नलिखित सभी शर्तों को पूरा करता है, श्रर्थात्:—

- (i) वह * * पछड़े क्षेत्र में 1970 के दिसम्बर के 31वें दिन के पश्चात् वस्तुग्रों का निर्माण या उत्पादन प्रारम्भ करता है या कर चुका है ;
- (ii) वह किसी पिछड़े क्षेत्र में पहले से विद्यमान किसी कारबार को खण्डित या पुनर्गठित करके नहीं बना है :

परन्तु यह शर्त उस ग्रौद्योगिक उपक्रम की बाबत लागू नहीं होगी जो निर्धारिती द्वारा जैसा धारा 33ख में निद्दिष्ट है उस धारा में विनिर्दिष्ट परिस्थितियों में ग्रौर कालावधि के ग्रन्दर पुनःस्थापन, पुनर्गठन या पुनः चालन के फलस्वरूप बना है;

(iii) वह किसी पिछड़े क्षेत्र में किसी प्रयोजन के लिए तत्पूर्व प्रयुक्त किसी मर्शानरा या संयंत्र का नए कारवार को ग्रन्तरण करके नहीं बना है ;

(iv) वह शक्ति की सहायता से चलाई जाने वाली निर्माण प्रक्रिया में दस या ग्रधिक कर्मकार नियोजित करता है या शक्ति की सहायता के बिना चलाई जाने वाली विनिर्माण प्रक्रिया में बीस या ग्रधिक कर्मकार नियोजित करता है।

IF THEFT IF THE PARTY AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE PAR

स्पष्टीकरण:—जहां किसी पिछड़े क्षेत्र में किसी प्रयोजन के लिए तत्पूर्व
प्रयुक्त कोई मशीनरी संयंत्र या उसका कोई भाग उस क्षेत्र में या किसी ग्रन्य
पिछड़े क्षेत्र में किसी नए कारबार को ग्रन्तरित किया जाता है ग्रीर इस
प्रकार श्रन्तरित मशीनरी या संयंत्र या भाग का कुल मूल्य ऐसे किसी कारबार
में प्रयुक्त मशीनरी या संयंत्र के कुल मूल्य से बीस प्रतिशत से ग्रधिक नहीं है
तो इस उपधारा के खण्ड (iii) के प्रयोजनों के लिए यह समझा जाएगा कि उसमें
विनिद्ध शर्ते पूरी हो गई है।

- (3) यह धारा होटल के कारबार को लागू होती है जहां निम्नलिखित सभी शर्ते पूरी की जाती हैं, श्रर्थात्:—
- (i) होटल का कारबार * * पिछड़े क्षेत्र में 1970 के दिसम्बर के 31वें दिन के पश्चात् आरम्भ होता है या हो चुका है ;
- (ii) होटल का कारबार पहले से विद्यमान किसी कारबार को खण्डित या पुनर्गिटित करके नहीं बना है;

10

15

20

25

30

40

35

1 WIND SEFE

(iii) वह होटल केन्द्रीय सरकार द्वारा इस उपधारा के प्रयोजनों के लिए तत्समय ग्रन्मोदित है।

(4) उपधारा (1) में विनिद्धिट कटौती उस पूर्व वर्ष से सुसंगत निर्धारण वर्ष से प्रारम्भ होने वाले दस निर्धारण वर्षों में से प्रत्येक की बाबत उसकी स्राय की संगणना करने में अनुज्ञात की जाएगी, जिसमें वह स्रौद्योगिक उपक्रम वस्तुग्रां का निर्माण या उत्पादन प्रारम्भ करता है या कर चुका है या होटल का कारबार ग्रारम्भ हो गया है ; परन्तु--

(i) ऐसे ग्रौद्योगिक उपक्रम की दशा में जिसने वस्तुग्रां का विनिर्माण या उत्पादन प्रारम्भ ; ग्रीर

10

03

(ii) ऐसे होटल के कारबार की दशा में जिसने कार्य आरम्भ, 1970 के दिसम्बर के 31वें दिन के पश्चात् किन्तु 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन के पहले किया है वहां इस उपधारा का इस प्रकार प्रभाव होगा मानो दस निर्धारण वर्षों के प्रति निर्देश उतने निर्धारण वर्षों के प्रति निर्देश हैं जो 1974 के ग्रप्रैल के प्रथम दिन समाप्त हुए निर्धारण वर्षों की संख्या को दस निर्धारण वर्षों में से घटाने पर ग्राएं।

(5) जहां निद्योरिती कम्पनी या सहकारी सोसाइटी से भिन्न कोई व्यक्ति है वहां, उपधारा (1) के अधीन कटौती तब तक अनुज्ञेय नहीं होगी जब तक जिस निर्धारण वर्ष के लिए कटौती का दावा किया गया हो उस निर्धारण वर्ष से संगणित पूर्व वर्ष के लिए उस ग्रौद्योगिक उपक्रम के या होटल के कारबार 20 के लेखे धारा 288 की उपधारा (2) के नीचे दिए गए स्पष्टीकरण में यथा-परिभाषित लेखापाल द्वारा संपरीक्षित नहीं किए गए हैं और निधारिती ग्रपनी ग्राय की विवरणी के साथ ऐसे लेखापाल द्वारा सम्यकतः ग्रौर सत्यापित ऐसी संपरीक्षा की रिपोर्ट नहीं देता है।

25

(6) जहां किसी श्रौद्योगिक उपक्रम या होटल के कारबार के प्रयोजन के लिए धारित माल निर्धारिती द्वारा चलाए जाने वाले किसी ग्रन्य कारबार को अन्तरित किए जाते हैं या जहां निर्धारिती द्वारा चलाए जाने वाले अन्य कारबार के प्रयोजन के लिए धारित माल उस ग्रौद्योगिक उपक्रम या होटल के कारबार को ग्रन्तरित किए जाते हैं ग्रीर दोनों दशाग्रों में ऐसे ग्रन्तरण के लिए उस ग्रीद्यीगिक उपक्रम या होटल के कारबार के लेखों में अभिलिखित प्रतिफल, यदि कोई हो, ग्रन्तरण की तारीख को माल के बाजार मूल्य के बराबर नहीं है तो इस धारा के ग्रधीन कटौती के प्रयोजनों के लिए, उस ग्रौद्योगिक उपक्रम या होटल के कारबार के लाभ और अभिलाभ की संगणना इस प्रकार की जाएगी मानों म्रन्तरण, दोनों दशाम्रों में, उस तारीख को माल के बाजार मूल्य पर किया गया है :

30

35

परन्तु जहां ग्राय-कर ग्रधिकारी की राय में इस में इसके पूर्व विनि दिष्ट रीति में ग्रौद्योगिक उपक्रम या होटल के कारबार के लाभ ग्रौर ग्रिभिलाभ की संगणना से अत्यधिक कठिनाइयां होती है वहां, आय-कर अधिकारी लाभ और श्रिभिलाभ की संगणना ऐसे उचित श्राधार पर करेगा जो वह ठीक समझे।

स्पट्टीकरण--इस उपधारा में "बाजार मूल्य" से माल के सम्बन्ध में वह कीमत अभिप्रेत है जो ऐसे माल के लिए खुले बाजार में विकय पर प्राप्त होगी।

(7) जहां ग्राय-कर ग्रधिकारी को यह प्रतीत होता है कि उस ग्रौद्योगिक उपक्रम या होटल का जिसको यह धारा लागू होती है, कारबार चलाने वाले निर्धारिती ग्रौर किसी ग्रन्य व्यक्ति के निकट सम्बन्ध, या किसी ग्रन्य कारणवर्श, उनके बीच कारवार की इस प्रकार व्यवस्था की गई है कि उनके बीच उस कारबार से निवारिती को उस सामान्य लाभ से जो उस ग्रीद्योगिक उपक्रम या होटल के कारबार में उद्भूत होने की आशा की जा सकती है, अधिक लाभ होता 5 है तो आय-कर अधिकारी, इस धारा के अबीन कटौती के प्रयोजन के लिए उस श्रीद्योगिक उपक्रम या होटल के लाभ श्रीर श्रिभलाभ की संगणना करने में लाभ की उतनी रकम लेगा जो उस से जीवत रूप से व्युत्पन्न समझी जा सकती है।

- (8) ऐसी दशा में जहां निर्धारिती ऐसे श्रीद्योगिक उपक्रम के जिसकी यह धारा लागू होती है, लाभ ग्रीर ग्रीभलाभ सम्बन्ध में धारा 80ज के अधीन भी कटौती का हकदार है वहां, उनधारा (1) के अधीन कटौती ऐसे लाभ ग्रौर ग्रभिलाभ के सम्बन्ध में धारा 80ज के ग्रधीन कटौती को घटा कर प्राप्त लाभ ग्रौर ग्रभिलाभ की रकम के प्रति निर्देश से ग्रनुज्ञात की जाएगी।
- (9) ऐसी दशा में जहां निधारिती किसी ग्रौद्योगिक उपक्रम या होटल के कारबार के जिसको यह घारा लागू होती है, लाभ और अभिलाभ के सम्बन्ध में धारा 80व के ग्रधीन कटौती का भी हकदार है वहां पहले इस धारा के उपबन्धों को प्रभाव दिया जाएगा।
- (10) इस धारा में अन्तिविष्ट कोई बात पोत के सिन्निर्माण या खनन में लगे हुए किसी उपक्रम के सम्बन्ध में लागू नहीं होगी।'।

स्पष्टीकरण---इस धारा में "पिछड़े क्षेत्र" से ग्रष्टम ग्रनुसूची की सूची में निदिष्ट क्षेत्र अभित्रेत है।"।

10. ग्राय-कर ग्रिधिनियम की धारा 80व में * *

धारा 80 बना संशोधन ।

I PRIEN

- (क) उपधारा (1) में "(जैसे वे धारा 80ज के ग्रधीन निर्धारिती को ग्रनुज्ञेय कटौतियों के, यदि कोई हो, योग को घटा कर आए)" कोष्ठक, शब्द, 25 ग्रंक ग्रीर ग्रक्षर के स्थान पर (जैसे वे धारा 80ज ग्रीर धारा 80जज के अधीन निर्धारिती को अनुज्ञेय कटौतियों के, यदि कोई हों, योग को घटा कर आयों)" कोष्ठक, शब्द, अंक और अक्षर रखे जायेंगे। ग्रीर 1974 के अप्रैल के प्रथम दिन से रखे गए समझे जाएंगे ;
- (ख) उपधारा (3) में, "धारा 80ज" शब्द, ग्रंक ग्रौर ग्रक्षर के स्थान पर "धारा 80ज, धारा 80जज" शब्द, ग्रंक ग्रीर ग्रक्षर रखे जाएंगे ग्रीर 30 1974 के अप्रैल के प्रथम दिन से रखे गए समझे जाएंगे।

36

40

11. ग्राय-कर ग्रिधिनियम की धारा 80 त की उपधारा (3) में 1974 के ग्रिशैल के प्रथम दिन से,--

धारा 80त का संशोधन ।

- (क) "धारा 80ज या धारा 80ज" शब्द, ग्रंक ग्रीर ग्रक्षरों के स्थान पर 35 "धारा 80ज या धारा 80जज या धारा 80ज" शब्द, ग्रंक ग्रीर ग्रक्षर रखे जाएंगे ग्रौर 1974 के ग्रप्रैल के प्रथम दिन से रखे गए समझे जाएंगे;
- (ख) 'धारा 80ज स्रीर धारा 80व' शब्द, स्रंक स्रीर स्थान पर हर अभागामा "धारा ८०ज, धारा ८०जज और धारा ८०जा " शब्द, ग्रंक ग्रीर ग्रक्षर रखे जाऐंगे भीर 1974 के अप्रैल के प्रथम दिन से रखे गए समझे जाएंगे।

12. ग्राय-कर ग्रधिनियम की धारा 80थय की उपधारा (2) में * * * *,--

धारा 80यथ का संशोधन।

- (क) "धारा 80ज या धारा 80जा" शब्द, ग्रंक ग्रौर ग्रक्षर के स्थान पर "धारा 80ज या धारा 80जज या धारा 80जा" शब्द, फ़ंक ग्रौर ग्रक्षर रखे जाएंगे 1974 के ग्रप्रेल के प्रथम दिन से रखे गये समझे जाएंगे।
- (ख) धारा 80ज ग्रीर 80ञा, 80त" शब्द, ग्रंक ग्रीर ग्रक्षर के स्थान प'
 "धा र 80ज, धारा 80ञा, धारा 80ञा, ग्रीर धारा 80त" शब्
 ग्रंक ग्रीर ग्रक्षर रखे जाएंगे ग्रीर 1974 के ग्रप्रैल से प्रथम दिन
 रखे गए समझे जाएंगे।

धारा 271 का संशोधन।

- 13. ग्राय-कर ग्रधिनियम की धारा 271 में उपधारा (1) के खण्ड (i) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा ग्रौर सदैव से रखा गया समझा जाएगा, ग्रर्थात् :---
 - (i) खण्ड (क) में नि दिष्ट दशाग्रों में उसके द्वारा संदेय कर की रकम के, यदि कोई हो, ग्रांतिरक्त ऐसी राशि जो हर मास के लिए, जिसके दौरान व्यक्तिकम बना रहा है, निर्धारित कर के दो प्रतिशत के बराबर है किन्तु कुल मिलाकर निर्धारित कर के पचास प्रतिशत से ग्रधिक नहीं है;

स्पष्टीकरण - इस खण्ड में "निर्धारित कर" से ऐसा कर ग्रिभिन्नेत है जिसमें से ग्रध्याय 17ख के ग्रधीन स्रोत पर कटौती की गई राशि, यदि कोई हों, 15 या ग्रध्याय 17ग के ग्रधीन ग्रिमि संदत्त राशि घटा दी गई है।"

धारा 295 का संशोधन।

- 14. ग्राय-कर ग्रधिनियम की धारा 295 में, उपवारा (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा ग्रन्तस्थापित की जाएगी, ग्रथीत् :--
 - "(4) इस धारा द्वारा प्रदत्त ियम बनाने की शक्ति के ग्रन्तर्गत नियमों को या उनमें से किसी नियम को भूतलक्षी प्रभाव देने की शक्ति भी है ग्रौर, जब तक ग्रिमिंग्यक्तः या ग्रावश्यक विवक्षा द्वारा इसके प्रतिकूल ग्रनुज्ञात न किया जाए तब तक किसी नियम को इस प्रकार भूतलक्षी प्रभाव नहीं दिया जाएगा कि निर्धारितयों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े तथा इस ग्रिधिनयम के प्रारंभ की तारीख से पूर्वोत्तर किसी तारीख से भूतलक्षी प्रभाव नहीं दिया जाएगा।"

श्रष्टम् श्रनुसूची का श्रन्तस्थापना।

DOR INTE.

र मार्थन ।

18 to 08 1818

1 等的形形

15. ग्राय-कर ग्रधिनियम में सप्तम् ग्रतुसूची के पश्चात् निम्नलिखित ग्रनुसूची ग्रन्तःस्थापित की जाएगी ग्रीर 1974 के ग्रप्रैल के प्रथम दिन से ग्रन्तःस्थापित की गई समझी जाएगी ग्रथित्

"ग्रब्टम् ग्रनुसूची (घारा 80जज देखिए) पिछडे क्षेत्रों की सूची

30

25

राज्य या संघ राज्यक्षेत्र का नाम

पिछड़े क्षेत्र

(1)

(2)

अनन्तपुर चित्तर, कुडुपा, करीमन गर, खम्माम, कूरनूल, महबूबनगर, मेडक, नैलगोंडा, नैल्लोर, निजामाबाद, 35 ओंगले, श्रीकाकुलम्, और बारंगल, जिले।

1年。美国8 1771年。

1 FEIRE

(1)

(2)

ग्रासाम

5 विहार

10 गुजरात

हरियाणा

हिमाचल प्रदेश

15

जम्मू-कश्मीर

20 कर्नाटक

के र ल

25

मध्य प्रदेश

30

35 महाराष्ट्र

कछार, गोत्रालपाड़ा, कामरूप, लखीमपुर, मिकिर हिल्स, न यं कचार हिल, श्रौर नौगौंग जिले।

भागलपुर, दरभंगा, पूर्वी चम्पारन, मुजफ्फर-पुर, पालामऊ, पूर्णिया, सहरसा, समस्तीपुर, संथाल परगना और सारन, सीतामढ़ी, सीवान, वैशाली, और पश्चिमी चम्पारन जिले।

ग्रमरेली, बनासकांठा, भारूच, भावनगर, भडीच, जूनागढ़, कच्छ, महसाना, पंच-महल, साबरकांठा ग्रीर सुरेन्द्रनगर जिले।

भिवानी, हिसार, जींद ग्रौर महेन्द्रगढ़ जिले

चम्बा, हमीरपुर, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू और लाहुल स्पिति, सिरम्र, सोलन, और ऊना जिले।

ग्रनन्तनाग, बारामूला, डोडा, जम्मू, कठुग्रा लहाख, पूंछ, राजौरी, श्रीनगर, ग्रौर ऊधमपुर जिले।

बेलगांव, बीदर, बीजापुर, धारवाड़, गुलबर्ग, हसन, मैसूर, उत्तरी कनारा, रायचूर, दक्षिणी कनारा और तुमकुर जिले।

ग्रलेप्पी, कन्नाने।र, मालापुरम, विव् ग्रीर विशेन्द्रम जिले ।

बालाघाट, बरतर, बैतूल, बिलासपुर, भिण्ड, छतरपुर, छिदवाडा, दमोह, दितया, देवास, धार, गुना, होशंगाबाद, झबुग्रा, खरगोन, मंडला, मन्दसौर, मुरैना, नरसिंहपुर, पन्ना, रायगढ़, रायपुर, रायसेन, राजगढ़, राजनांदगांव, रतलाम, रीवां, सागर, सिहार, सिवनी, शाजापुर, शिवपुरी, सीधी, सरगुजा, टीकमगढ़ ग्रौर विदिशा जिले।

ग्रौरंगाबाद, भण्डारा, भीर, बुलढाना, चंद्रपुर, धुलिया ग्रौर जलगांव जिले भारत सरकार द्वारा जारी कि गई प्रधिसूचना संब्ग्रार०पी०बी०1173-1-प्रार० पी० सी०, तारीख 16 ग्रगस्त, 1973 द्वारा यथा संशोधित ग्रधिसूचना

(1)

SPRING PARCELERING

THE PER PER PER PER PER

-TAPER DESIGNED THE THE STREET

THE ST. STATE OF STATE

महाराष्ट्र संपान परमान साम सार्थ,

FEFF. THE THE STREET, YES

对种 文字版》,并不是许可证,选,不可称是 。许

PERTY ARP SPENDING TEST

PRINCIPLE REPORT REPORTS

-1-8 TIL OTE OF STRONG

THE REAL PROPERTY OF THE PERSON

FEEL SEEK SEEK

· 1 FIEL REIDER THEE

सं० ग्रार० पी० वी 1171-18124-म्राई०डब्ल्०तारीख 20 मार्च, 1971में, जो महाराष्ट्र सरकार (नगर विकास, I FEEL TOTHER लोक स्वास्थ्य ग्रौर ग्रावास विभाग) द्वारा महाराष्ट्र रिजनल एण्ड टाउन प्लानिंग एक्ट 1966 (1966 का महाराष्ट्र अधिनियम सं० 37) की धारा 113 की उपधारा (1) के ग्रधीन जारी की गई है, प्रस्तावित नए मुम्बई नगर के स्थल के रूप में ग्रिभिहित क्षेत्र मं समाविष्ट प्रभाग को छोड़कर कोलावा - जिला नान्देड, उस्मानाबाद, परभनी I DECLIFICATION OF THE PROPERTY AND I रत्नागिरी और यवतमाल जिले।

सम्पूर्ण राज्य।

15

5

मारी हिल्स, जयन्तिया हिल्स ग्रीह खाती एको ानत मान माना प्रमुखने, नाममी महाक हिल्स जिले।

TERM PER SEED, SIST, STREET, WISET नागालैण्ड अस्ति । सम्पूर्ण राज्य।

उड़ीसा

बालासोर, बोलंगीर, ढेंकानल, कालाहण्डी, 20 केम्रोझर, कोरापुट, मयूरभंज म्रीराम । अपनि अपने काल पुलबनी जिले।

भटिण्डा जिला, फरीदकोट जिले का इतना भाग जो 31 जुलाई, 1972 को भटिण्डा जिले का हिस्सा था, गुरदासपुर, 1 布河 平温》有 होशियारपुर और संगरूर जिले।

पंजाब

ग्रलवर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, भीलवाड़ा, काकामान का का जाता चूरू, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालीर, झालावाड़, झुनझुनू, जोधपुर, नागौर,

राजस्थान

तमिलनाडु धर्मपुरी, कन्याकुमारी, मदुरई, नार्थ अर्काट, रामनाथपुरम्,साउथ ग्राकटि, तंजीर ग्रीर । महा । जिल्ला विरु विरापल्ली जिले।

सीकर, सिरोही, टोंक ग्रीर उदयपुर

सम्पूर्ण राज्य।

जिले ।

0.6

विषुरा है। जार कार्य उत्तर प्रदेश

ग्रल्मोड़ा, ग्राजमगढ़, बहराइच, बलिया, बांदा, बारावंकी, बस्ती, बदायूं, बुलन्द-शहर, चमोली, देवरिया, एटा, इटावा, फैजाबाद, फर्कखाबाद, फतेहपुर, गढ़वाल

(2) (1) HAMPINGER AND SO HARBING गाजीपुर, गोंडा, हमीरपुर, हरदोई, SOUTH THE REAL PROPERTY OF THE जालौन, जौनपुर, झांसी, मैनपुरी, मथुरा, मुरादाबाद, पीलीभीत, पिथौरा-REPUBLICAN SIES SAFER SERVICE गढ़, प्रतापगढ़, रायबरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, सुल्तानपुर, टिहरी गढ़वाल, उन्नाव ग्रौर उत्तरकाशी जिले। बांकुरा, बीरभूम, बद्दवान, कूचिवहार, पश्चिमी बंगाल दाजिलिंग, हगली, जलपाईगुड़ी, मालदा, मिदनापुर, मुशिदाबाद, नादिया, 10 प्रुलिया और पश्चिमी दीनाजपुर जिले । इसे अपन अपन अपन सम्पूर्ण संघ र सक्षेत्र । ग्रण्डमान ग्रौर निकोबार द्वीपसमूह 119 41911 81 सम्पूर्ण संघ राज्यक्षेत्र । 15 ग्ररुणाचल प्रदेश सम्पूर्ण संघ राज्यक्षेत्र। दादरा ग्रौर नागर हवेली गोवा, दमण और दीव सम्पूर्ण संघ राज्यक्षेत । सम्पूर्ण संघ राज्यक्षेत्र । लक्षद्वीप सम्पूर्ण संघ राज्यक्षेत्र । मिजोराम पांडिचेरी सम्पूर्ण संघ राज्यक्षेत्र । स्पष्टीकरण--जैसा अभिव्यक्त रूप से उपबंधित है उसके सिवाय, इस अनुसूची में किसी जिले के प्रति निर्देश का यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस जिले में 3 सितम्बर, 1973 को, जो प्रत्यक्ष कर (संशोधन) विधेयक, 1973 को लोक सभा में पुर: स्थापित करने की तारीख है, समाविष्ट क्षेत्रों के प्रति निर्देश है।" 16. ग्राय-कर ग्रधिनियम में, ग्रन्त में, 1975 की ग्रप्रैल के प्रथम दिन से, निम्न- 25 नवम ग्रन्सूची का ग्रन्तःस्थापन लिखित ग्रनुसूची ग्रन्तःस्थापित की जाएगी:--माना माना के नियम मन्त्र माना मन्त्र नियम प्रमुस्ची महानिया जनाम रा [धारा 32(i) (Vi) देखिए]

वस्तुश्रों या चीजों की सूची

1. लौह ग्रीर इस्पात (धातु)। FIR TO STEEPERS OF FF THE S

30

APPENDED THEFT

पक्ष श्री । प्रमान

HURSH

AL INE

2. अलौह धातुएं।

1957-17

21 7 (1)

- 3. लीह मिश्रधातु ग्रीर विशेष इस्पात ।
 - 4. इस्पात की ढलाई और फोर्ज तथा धातवर्धनीय लौह और इस्पात की ढलाई
 - 5. ऊष्मीय ग्रौर जल शक्ति उत्पादन उपस्कर।
 - 6. परिणामित्र ग्रौर स्विच गियर।

- 7. विद्युत् मोटरें । का का का का का का का
- 8. ग्रीद्योगिक ग्रीर कृषि मशीनरी।
- 9. मिट्टी हटाने की मशीनरी ।

10. मशीन श्रीजार।

11. उर्वरक, ग्रर्थात् ग्रमोनियम सल्फेट, ग्रमोनियम सल्फेट नाइट्रेट (दोहरा लवण,) ग्रमोनियम नाइट्रेट, कैलिशियम ग्रमोनियम नाइट्रेट (नाइट्रोलाइम स्टोन), ग्रमोनियम क्लोराइड, सुपर सल्फेट, यूरिया तथा संश्लिष्ट मूल के सम्मिश्रित उर्वरक जिनमें नाइट्रोजन ग्रौर फास्फोरस दोनों ही हों, जैसे ग्रमोनियम सल्फेट, ग्रमोनियम सल्फेट फास्फेट ग्रौर ग्रमोनियम नाइट्रो फास्फेट ॥

12. सोडाक्षार ।

13. कास्टिक सोडा ।

10 14. वाणिज्यिक यान।

15. पोत।

16. वायुयान।

17. टायर और ट्यूब।

18. कागज, लुगदी और ग्रखबारी कागज।

15 19. चीनी।

20. वनस्पति तेल।

21. टेक्सटाइल (जिसमें रंगे हुए, छपे हुए या ग्रन्यथा प्रसंस्कृत टेक्सटाइल सिम्मिलित हैं), जो पूर्णत: या मुख्यत: रुई से बने हुए हों जिसमें रुई का सूत, हौजरी ग्रीर रस्सा सम्मिलित है,

22. टेक्सटाइल (जिसमें रंगे हुए, छपे हुए या ग्रन्थथा प्रसंस्कृत 20 टेक्सटाइल सम्मिलित हैं), जो पूर्णत: या मुख्यत: जूट से बने हुए हों जिसमें जूट सुतली ग्रीर जूट का रस्सा सम्मिलित है,

23. सीमेंट श्रीर उच्च तापसह।"।

ग्रध्याय 3

25

30

धन-कर ग्रधिनियम, 1957 का संशोधन

धारा 46 का संशोधन

17. धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 की (जिसे इसमें इसके पश्चात धन-कर ग्रिधिनियम कहा गया है) धारा 46 में उपधारा (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा रखी जाएगी, ग्रर्थात् :—

"(3) इस धारा द्वारा प्रदत्त नियम बताने की शक्ति के ग्रन्तर्गत नियमों को या उनमें से किसी नियम को भूतलक्षी प्रभाव देने की शक्ति भी है ग्रीर जब तक (ग्रिभिव्यक्तत: या ग्रावश्यक विवक्षा द्वारा) इसके प्रतिकूल ग्रन्जात न किया जाए तब तक किसी नियम को इस प्रकार भूतलक्षी प्रभाव नहीं दिया जाएगा कि निर्धारितियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े तथा इस ग्रिधिनियम के प्रारम्भ की तारीख से

35 पूर्वतर किसी तारीख से भूतलक्षी प्रभाव नहीं दिया जाएगा।"।

श्रध्याय 4

दान-कर ग्रधिनियम, 1958 का संशोधन

बारा 17 का संशोधन। 18. दान-कर ग्रिधिनियम, 1958 की (जिसे इसमें इसके पश्चात् दान- 1958 का कर ग्रिधिनियम कहा गया है) धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (i) के 18

1957 का 27 स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा और 1963 के अप्रैल के प्रथम दिन से रखा गया समझा जाएगा, अर्थात् :---

"(i) खण्ड (क) में निर्दिष्ट दशाग्रों में उसके द्वारा संदेय दान-कर की रकम के, यदि कोई हो, अतिरिक्त ऐसी राशि जो हर मास के लिए जिसके दौरान व्यतिकम बना रहा है, निर्धारित कर के दो 5 प्रतिशत के बराबर है, किन्तु कुल मिलाकर निर्धारित कर के पचास से ग्रधिक नहीं है।

स्पष्टीकरण-इस खण्ड में, "निर्धारित कर" से इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन प्रमार्थ ऐसा दान-कर अभिषेत है जिसमें से वह राशि, यदि कोई हो, घटा दी गई है जिसके लिए धारा 18 के ग्रधीन प्रत्यय दिया जाता है;"।

19. दान-कर अधिनियम की धारा 46 में, उपधारा (3) के स्थान पर, निम्न-लिखित उपधारा रखी जाएगी ग्रथीत् :---

TO THE RESIDENCE OF THE PARTY O

धारा 46 संशोधन ।

AND THE REAL PROPERTY.

AND THE PERSON

ATTER SPIRE

"(3) इस धारा द्वारा प्रदत्त निथम बनाने की शक्ति के अन्तर्गत नियमों को या उनमें से किसी नियम को भ्तलक्षी प्रभाव देने की शक्ति भी 15 है और जब तक (ग्रिभिव्यक्ततः या ग्रावश्यक विवक्षा द्वारा) इसके प्रतिकृल अनुज्ञात न किया जाए तब तक किसी नियम को इस प्रकार भूतलक्षी प्रमाव नहीं दिया जाएगा कि निर्धारितियों के हितों पर प्रतिकूल प्रमाव पड़े तथा इस अधिनियम के प्रत्मभ की तारीख से पूर्वतर किसी तारीख से भूत-लक्षी प्रमाव नहीं दिया जाएगा।"।

ग्रध्याय 5

कम्पनी (लाभ) भ्रतिकर भ्रधिनियम, 1964 का संशोधन

20. कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 की [जिसे इसमें इसके पश्चात् 1964 南 7 धारा कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम कहा गया है] धारा 9 के खण्ड (क) में "संदेय संशोधन । ग्रतिकर" शब्दों के स्थान पर "इस ग्रधिनियम के उपबन्धों के ग्रधीन संदेय ग्रतिकर" 25 शब्द रखे जाएंगे और सदैव से रखे गये समझे जाएंगे।

का

धारा 25 का

21. कम्पनी (लाभ) ग्रतिकर ग्राधिनियम की धारा 25 में उपधारा (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपधारा ग्रन्तःस्थापित की जाएगी, ग्रथीत् :--

संशोधन ।

"(2क) इस धारा द्वारा प्रदत्त नियम बनाने की शक्ति के अन्तर्गत नियमों को या उन में किसी नियम को भूतलक्षी प्रमाव देने की शक्ति भी है और जब तक (ग्रभिव्यततः या ग्रावश्यक विवक्षा द्वारा) इसके प्रतिकृल ग्रनुज्ञात न किया जाए तब तक किसी नियम की इस प्रकार भ्तलक्षी प्रभाव नहीं दिया जाएगा कि निधीरितियों के हितां पर प्रतिकृत प्रभाव पड़े तथा इस ग्रधिनियम के प्रारम्भ की तारीख से पूर्वतर किसी तारीख से भूतलक्षी प्रभाव नहीं दिया जाएगा।"।

35

THE THE REPORT OF SHEATS OF THE PROPERTY OF THE

प्रकोर्ण जाना समान महान प्रकार

कुछ दशाग्रों में 3 का लागू धारा होना

22. जहां, किसी निवीरिती के मामले में, उच्चतमा न्यायालय ने प्रत्यक्ष कर (संशोधन) विधेयक, 1973 के लोक सभा में पुर:स्थापित कए जाने की तारीख के पूर्व ग्राय-कर ग्राधिनियम की धारा 271 की उपधारा (1) के खण्ड (i) के ग्राधीन शास्ति अधिरोपित करने वाले आदेश के सम्बन्ध में अपील में किसी विशिष्ट निर्वरिण वर्ष के लिए यह निर्धारित किया है कि उक्त खण्ड में 'उसके द्वारा संदेय कर की रकम के, यदि कोई हो" पद का यह अर्थान्वयन किया जाएगा कि इसमें कर की उस रकम के प्रति निर्देश है जो उस अधिनियम की धारा 156 के अधीन मांग की सूचना के अधीन 10 उसके द्वारा संदेय है जो निर्धारण ग्रादेश के ग्रनुसरण में दी गई है, ग्रीर इस ग्रधिनियम की धारा 13 की कोई बात ऐसे निर्धारिती के मामले में उस विशिष्टि वर्ष के लिए शास्ति के ग्रादेश के सम्बन्ध में लागू नहीं होगी ग्रौर यह समझा जाएगा कि वह कभी भी

लागू नहीं हुई थी।

धन-कर ग्रधिनियम की धारा 18(1) (1) के, जैसा वह निश्चित एक कालावधि दौरान था, प्रभाव के बारे में विशेष उपबन्ध ।

ग्रध- 20 दान-कर नियम की धारा 17 (1) (i) के, जैसा वह एक निश्चित काला-

वधि के दौरान था,

प्रभाव के बारे में

TF ES TYPE

1 PRINT

8 %

विशेष उपबन्ध ।

25

23. धन-कर अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (1) के खण्ड (i) का, जैसा कि वह एक अप्रैल, 1965 से प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च, 1967 को समाप्त होने वाली कालार्वाध के दौरान था, यह प्रभाव होगा और यह समझा जाएगा, कि उसका सदैव से ही ऐसा प्रभाव था मानो उसमें ग्राने वाले शब्द "कर" के स्थान पर, दोनो स्थानों पर जहां वे ग्राते हैं, इस ग्रधिनियम के उपबन्धों के ग्रधीन प्रभार्य धन-कर ग्रिभित्रत है।

24. दान-कर ग्रिधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (i) का जैसा वह अप्रैल, 1963 के पहले था, यह प्रभाव होगा और यह समझा जाएगा कि उसका सदैव से ही ऐसा प्रभाव था मानों उसमें ग्राने वाले "ऐसा कर" शब्दों से उस ग्रधिनियम के उपबन्धों के ग्रधीन प्रभार्य ऐसा दान-कर ग्रभिष्रेत है जिसमें से वह रकम, यदि कोई हो, घटा दी गई है जिस लिए उस अधिनियम की धारा 18 के अधीन प्रत्यय ग्रन्जात किया जाता है।

करपूरी (लास) झालकर आधानपन, 1964 का संज्ञाचन

7 17 1001

THE C TYPE PAR' H (B) FOR H O PER STOP STOP STATES TO STATE OF STATES 1 FEIFF

as I will be the wind a few or a state of the contract of the THE REPORT OF STATE STATE STATE OF STATE

A LE L'ESTATE THE DE TRIB OF PRAIRIE STATUS (MIRE) THEFE ITE

TIPE STEEL STEEL BY THE STEEL BY STEEL THE PROPERTY AND A SERVICE OF STATE OF STATE OF THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE P

TOTAL PROPERTY OF THE PERSON OF PERSON OF PERSONS OF

HE TE FER TE FER THE THE PERSON OF THE REST OF THE PERSON

PORK THE PARTY OF the state of the same

परिशिष्ट एक

(देखिये प्रतिवेदन का पैरा 2)

विधेयक को प्रवर सिमिति को सौंपने के लिए लोक-सभा में प्रस्ताव

"िक ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961, धन-कर ग्रिधिनियम, 1957, दान-कर ग्रिधिनियम, 1958 ग्रीर कम्पनी (लाभ) ग्रितिकर ग्रिधिनियम, 1964 का ग्रीर संशोधन करने के लिए ग्रीर तत्सम्बन्धी कुछ विषयों के लिए उपलब्ध करने के लिए विधेयक प्रवर समिति को इन ग्रनुदेशों के साथ सौंपा जाए कि वह ग्रगले सन्न के पहले सप्ताह के ग्रन्तिम दिन तक ग्रपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दे, प्रवर समिति में 30 सदस्य हों, ग्रर्थात्

जा ज	त्
(1) श्री भागवत हो। ग्राजाद र लिंग्स सम्बर्ध विवास सहस्रोधी उर्देश पेहरू विवास	4
(2) श्री श्रोंकार लाल वेरवा	2
(3) श्री रघुनंदन लाल भाटिया का कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य	3.
। (4) श्री एमं० भी प्रादेवाने विकास लिल्होंने त्रुष्ट्रण्ड डणा क्षेत्रात स्वार प्रकार केंद्र	
।(5) श्री जी ० भुवाराहंन । । ।।। । ।।।। ।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।	ā.
(6) श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट "इरिमान" रिश्डण प्रणा केमान साम प्रकार कारण केमान	.0
(7) श्री सोम नाथ चटर्जी दिनहण्ड इण्ड नेमान गाम प्रमान किल्लो इण्ड प्राणको है।	.7
(८) श्री गणवन्तरात चत्राण	
(9) श्री एस० श्रार दामाणी । अवने क्षिक्त कार केमा एक अवने एईए प्राप्त	
(10) श्री बी० कें। दासचौधरी का कहीती ७० मा किया का उपने कारणे प्राप्त	.01
्र (11) श्री डी॰ डी॰ देसाई लोग डेन लडने अन्य आर्थ आर्थ क्रिक्ट विद्यान करने हैं।	.11
(10) 27 77 77 77	
(13) श्री दिनेश चन्द्र गोस्वामी । एक्टीने एक्टरीन एक्टरी एक्टरी एक्टरी एक्टरी	
(14) श्रीसमर गुहर कार्य करणान, केल्स विविद्य 9-ए, कमाद व्यस, मुहर क्रमांत्र विविद्य (14)	
(17) 67	
(16) श्री कातिक उरांव	
(17) श्री डी० के० पंडा किए असाम सामार्ग है उन्हें प्रमान काल प्राप्त के कि	
(18) श्री एच० एमं० पटेल । एचण्या एक्स ए एक्स । एक्स वाह अधार अधार अधार अधार ।	1.7.
(19) श्री रामजी राम अवस्थित अवस्थित अवस्थित (कार्याट) प्रमानिक साजाहात्र केसर्थ	.81
(20) श्री नरेन्द्र कुमार साल्वे स्थिति । एक्टी वाक महिल्लाकि एम्प्रेमिनिक	19.
(21) श्री नरेन्द्र कुमार सांधी अलोगे प्रमान मालकृती क्षेत्रात नगर प्रमान मालकृती	20.
(22) श्री बसन्त साठे अभिन्न ६४ अम्बीह साम मिन्न अभिक्ष मक्ष काम उप्रवेशनी	21.
15 (23) श्रीमति साविती श्याम किल्ला कार विश्वाप कार किल्ला कार कार कार कार कार कार कार कार कार का	22.
(24) श्री इरा सेझियान कार अम्मिम् अमिष्ट अमिष्टि अमिषि अमिषि अमिषि अमिषि	23
(25) श्री सी० के० जाफर शरीफ विकास कार्याका कार्य	45
(26) श्री शिव कुमार शास्त्री की गाए कि एक मान साथ मान के बडिएमी एक	25.
(27) श्री सोमचन्द सोंलकी	
(28) श्री प्रमुक्ति ए स्टर्शनम् । एउपी व साथ भूजपर्यात्रातिम् उत्ति उत्तर अपन एउन्हें साथ नार्वेडस	
(20) श्री के पी उन्हीं क्रणान और	22.
(30) श्री के० ग्रार० गणेश" अपारा मार्ग अपारा विभाग विभाग विभाग विभाग स्थान विभाग विभ	28.
ा १२००२। देश , राष्ट्र-५ मन्तिम्हाल द्वार १८५ राष्ट्र साथ अभिन्नातम् । वह अस्टिना	ALL:
्रांग्डमम् विस्ता हो। मेननं पुर्वानियान, राजन एकानिया, क नेवानी सामा मानं, कर्नाना ।	.00

11万平日平,五

, सर्वाहर हो है,

1 254

विविद्या,

1 作列 如

उद्या हिंदिरहाईच वासेचर्च प्रतिविधान, वाच, क्रिनिश नात सार्ग, बरहाँ ।

परिशिष्ट दी

300 SUSTESS

(देखिये प्रतिवेदन का पैरा 5)

एसोसियेशनों, संगठनों ग्रावि की सूची जिनसे प्रवर सिमिति को ज्ञापन/ ग्रभ्यावेदन/टिप्पण ग्रावि प्राप्त हुए

- 1. कमानी ब्रद्रसं प्राइवेट लिमिटेड, कमानी चैम्बर्स नाइकोल रोड, बैलार्ड एस्टेट, बम्बई।
- 2. फैडरेशन ग्राफ इण्डिया मिनरल इण्डस्ट्रीज, 7, साउथ एक्स्टैंशन पार्ट-1, नई दिल्ली।
- 3. फैडरेशन ग्राफ इण्डियान चैम्बर्स ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, फैडरेशन हाउस , नई दिल्ली।
- 4. बम्बई चैम्बर ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रो, मैकिनोन मैकेन्जी बिल्डिंग, बैलार्ड एस्टेट, बम्बई।
- 5. सूरत ब्रार्ट सिल्क क्लाथ मैन्यूफैक्चर्स एसोसियेशन, "रेशम भवन", लाल दरवाजा, सूरत।
- 6. सदर्न गुजरात चैम्बर ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, "समृद्धि" नानपुरा, सूरत।
- 7. पंजाब, हरियाणा एण्ड दिल्ली चैम्बर ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, फैल्पस बिल्डिंग, 9-ए, कनाट प्लेस नई दिल्ली।
- 8. गोग्रा चैम्बर ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, पणजी, गोन्ना।
- 9. मध्य प्रदेश चैंग्बर, ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, चैम्बर भवन, ग्वालियर।
- 10. अपर इण्डिया चैम्बर आफ कामर्स, 14/69 सिविल लाइन्स, कानपुर।
- 11. श्री एस॰ एस॰ कोठारी, भूतपूर्व संसद सदस्य, इण्डिया स्टीमशिप हाउस, 21 ग्रील्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता।
- 12. मद्रास चैम्बर ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, दारे हाऊस एनेक्सी, 3/4, मूर स्ट्रीट, मद्रास ।
- 13. इण्डियन काटन मिल्स फैडरेशन, एल्फिस्टन बिल्डिंग, 10, वीर नारिमन रोड़, फोर्ट, बस्बई।
- 14. दिल्ली फैक्टरी ग्रोनर्स फैडरेशन, फैल्प्स बिल्डिंग 9-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।
- 15. इण्डियन मर्चेन्द्स चैम्बर, लालजी नारानजी मैमोरियल, इण्डियन मर्चेन्टस चैम्बर, बिल्डिंग, 76 वीर नरिमन रोड, चर्च गेट, बम्बई।
- 16. विदर्भ चैम्बर श्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ड्री, मंगलदास मार्केट, श्रकोला ।
- 17. इण्डियन नैम्बर आफ कामर्स, इण्डिया एक्सचैंज, इण्डिया एक्सचैंज प्लेस, कलकत्ता।
- 18. मैसर्स राजाराम बन्दोकर (श्रीगाव) माइन्स, वास्कोडीगामा, गोस्रा।
- 19. इंजीनियरिंग एसोसियेशन स्राफ इण्डिया, इण्डिया एक्सचैंज, नौबीं मंजिल, कलकत्ता।
- 20. हिन्दुस्तान चैम्बर ग्राफ कामर्स, हिन्दुस्तान चैम्बर बिल्डिंग्स नं० 8, कोण्डिचेट्टी स्ट्रीट, मद्रास ।
- 21. इंस्टिट्यूट ग्राफ इनकम टैक्स प्रैक्टिशनर्स ग्राफ इण्डिया, 72 बालेपेट, बंगलीर।
- 22. बंगाल चैम्बर श्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, रायल एक्सचैंज, ६, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।
- 23. श्री ए० ए० पालकीवाला, सीनियर एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट ग्राफ इण्डिया, टाटाहाउस, फोर्ट, बम्बई।
- 24. सदर्न इण्डिया मिल ग्रोनर्स एसोसियेशन, "षण्मुख मनराम" रेसकोर्स, कोयम्बतूर।
- 25. एसोसियेटेड चैम्बर्स ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री ग्राफ इन्डिया, तीसरी मंजिल, इलाहाबाद बैंक बिल्डिंग, 17, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
- 26. फैडरेशन ग्राफ होस्टल एण्ड रैस्टोरेंट एसोसियेशन्स ग्राफ इण्डिया, 15-ए, निजामुद्दीन बैस्ट, नई दिल्ली।
- 27. ग्राल इण्डिया बीड़ी इण्डस्ट्री फेडरेशन, 12 रैम्पार्ट रो, फोर्ट, बम्बई।
- 28. श्री बृजमोहन दास नागौरी, नागौरी भवन, ग्वालियर।
- 29. पैस्टिसाइड्स एसोसियेशन आफ इण्डिया, 20 रिंग रोड लाजपतनगर-चार, नई दिल्ली।
- 30. इण्डियन रिफीबट्टी मैक्स एसोसियेशन, रायल एक्सचेंज, 5 नेताजी सुभाष मार्ग, कलकत्ता ।
- 31. दि टैक्स्टाइल श्रोसेसर्स एसोसियेशन, 414, सेनापति बापत मार्ग, बम्बई।

32. श्री बाबू भाई एम० चिनाय, संसद् सदस्य, तीसरी मंजिल, पी० एन० बी० हाउस, सर पी० एम० रोड, बम्बई।

市田市

- 33. बंगाल नेशनल चैम्बर ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, पी-11, मिशन रो एक्स्टेंशन, कलकत्ता।
- 34. कंसलटेटिव कमेटी ग्राफ प्लांटेशन एसोसियेशन, रायल एकसचेंज, 5, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।
- 35. वित्त विभाग, गुजरात सरकार, गांधीनगर।

पुस्ति हे से पुरुष के कार्त क

PICIT IT PAIN

1. जीडरेशन आफ होण्डरन मेंग्स जाम नामच एण्ड ग्रह्मा या जिल्ला ।

THE TENED THE PERSON OF THE STATE OF THE STA

THE OFFICE AS A SECOND OF THE A

The state of the s

3. California de l'anni de

TEN OFF OFF AND THE A

A ST CHE STATE OF CHARLES AND STATE OF THE STATE OF STATE

THE PERSONAL PROPERTY (WIND DOS) PRINT OFF THE P.

I I THE RESERVE THE PERSON OF THE PERSON OF

of the state of th

32. जी बाबू वाई एम जिलाव, संसद बदस्य, लोगरी गांजिल, पीठ एत वी हाउस, सद पीठ एप रोड, दम्बई । 33. बंगाल नेमचल फंम्बर ग्राफ कायमं एण्ड इण्डस्ट्री, थी-11. मिश्रान रो एक्ट्रेशन, केलंकसा । 34. कंसलटेटिव कमेटी ग्राफ ज्यांटेश मित्रा जिल्हा हो मिश्रान एक्यचंग, 5, नेवाजी सुमाप रोड, कंतकसा ।

(देखिये प्रतिवेदन का पैरा 6)

एसोसियेशनों, संगठनों ग्रादि की सूची जिन्होंने प्रवर सिमिति के समक्ष साध्य दिया ।

ऋमांक	एसोसियेशन/संगठन स्रादि का	नाम साक्ष्य की तारीख
1	2	3
1.	फैडरेशन ग्राफ इण्डियन चैम्बर्स ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री,	नई दिल्ली 17.1.1974
	प्रवक्ता:	
	1. श्री चरत राम ग्रध्यक्ष	
	2. श्री ए० के० जैन चेयरमैन, कर	ाधान उप-समिति
	3. श्री हरिशंकर सिधानिया	
	4. श्री ग्रो० पी० वैश्य	
	5. श्री जी० एल० वंसलसेकेट्री ज	नरल
2.	श्री एन० ए० पालकीवाला, सीनियर एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट	स्राफ इण्डिया, बम्बई । 19.1.1974
3.	एसोसियेटेड चैम्बर्स ग्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री ग्राफ इण्डिय	ा , नई दिल्ली ।
	प्रवक्ता:-	
	1. श्री एम० एच० मोदी	
	3. श्री के० सी० खन्ना	
	3. श्री ग्रार एन० रत्नम्	
	4. श्री एम० एम० मल्होत्रा	
4.	1. श्री बीं ॰ डीं ॰ पाण्डे, मंत्री मण्डलीय सचिव, भारत	सरकार, नई दिल्ली।
	2. श्री एम० ग्रार० यार्डी, वित्त सचिव, भारत सरकार	
	3. श्री एम० जी० कौल, सचिव (ग्राधिक कार्य विभाग	
	नई दिल्ली। 4. श्री एच० एन० रे सचिव (व्यय विभाग), वित्त मं	वालय भारत सरकार.
	नई दिल्ली।	
	5. श्री ग्रार० वी० रामन, सचिव, ग्रौद्योगिक विकास स	
	6. श्री बी० बी० लाल, सचिव, योजना मंत्रालय, भारत	त सरकार, नई दिल्ली।

परिशिष्ट चार

प्रत्यक्ष कर (संशोधन) विधेयक, 1973 संबंधी प्रवर समिति की बैठकों का कार्यवाही सारांश

COLD ALLIANS OF LATER LATER AND THE PRESENT OF MARKETS AND PROPERTY AS A STATE OF THE PARTY OF T

पहली बंठक प्राप्त करें करें

समिति की बैठक शुक्रवार, 7 दिसम्बर, 1973 को 10.00 बजे से 11.00 बजे तक हुई।

उपस्थित

श्री नरेन्द्र कुमार साल्वे -- सभापति THE PERSON OF SHIP TO THE PERSON NAMED IN THE PERSON OF TAXABLE VALUE OF T

- 2. श्री एम० भीष्मदेव
 - 3. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट
- 4. श्री सोमनाथ चटर्जी
 - 5. श्री यशवन्तराव चव्हाण
 - 6. श्री बी० के० दास चौधरी
 - 7. श्री दिनेश चन्द्र गोस्वामी
 - 8. श्री एच० एम० पटेल
 - 9. श्री वसन्त साठे
- 10. श्री इरा सेझियान
 - THE PERSON THE PERSON NAMED IN THE PERSON NAME 11. श्री के० पी० उन्नीकृष्णन

कि किए हिंदी का एक का कि विधायी पराम दाता कर कि कि कि कि

श्री ग्रार० बी० एस० पेरी-शास्त्री, संयुक्त सचिव तथा विधायी परामर्शदाता

THE DETER PERSON INTO STREET FOR PERSON (17)

THE THE WEST PROPERTY OF TRANSPORT OF

TELL TELL PERS IN THE PERSON (SIE)

I want that the

A THE RESIDENCE PER PARTY.

DEAL PROPERTY

THE TE WEEK PIET STREET OF STREET

THE THEOR OF SPERM (AND

वित्त मंत्रालय (राजस्व तथा बोमा विभाग) के प्रतिनिध

- 1. श्री के० ई० जानसन, सदस्य, कंन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ।
- 2. श्री ग्रार० ग्रार० खोसला, निदेशक

श्री हरि गोपाल परांजपे—उप-सचिव

- 2. प्रारम्भ में सभापति ने समिति के सदस्यों का स्वागत किया ग्रीर प्रस्तावित विधायी कार्य के ग्रशय का उल्लेख किया और इस बात पर जोर दिया कि समिति के समक्ष जो कार्य है वह कितना महत्वपूर्ण है और इसको शीघ्र निपटाया जाना चाहिये। WHEN THE THE PARTY THE TE
- 3. तत्पश्चात् समिति ने ग्रपने भावी कार्यकम के विषय में विचार किया समिति ने निश्चय किया कि सोमवार 31, दिसम्बर, 1973 तक राज्य सरकारों, वाणिज्य तथा उद्योग मण्डलों, व्यापार संगठनों तथा ग्रन्य संस्थाग्रों तथा विधेयक की विषय-वस्तु में रुचि रखने वाले सभी अन्य व्यक्तियों से लिखित ज्ञापन आमन्द्रित किये जायें। समिति ने निश्चय किया कि ज्ञापन प्रस्तुत करने के लिये अवधि न बढ़ाई जाये। समिति ने निमित्त एक प्रेस विज्ञिप्त भी जारी करन का फैसला किया । INCOME AND ASSESSED IN A

4. सिमिति ने निम्नलिखित भारत सरकार के ग्रिधिकारियों तथा गैर-सरकारी व्यक्तियों का मौखिक साध्य लेने के लिए नई दिल्ली में 17 से 19 जनवरी, 1974 तक ग्रंपनी बैठकें ग्रायोजित करने का भी निश्चय किया:—

- (एक) मन्त्रिमण्डल सचिव।
- (दो) सचिव, ग्रोद्योगिक विकास मन्त्रालय।
 - (तीन) वित्त सचिव।
 - (चार) सचिव, वित्त मन्त्रालय, राजस्व तथा बीमा विभाग।
 - (पांच) सचिव, योजना मन्द्रालय।
 - (छः) सचिव, वित्त मन्त्रालय, ग्राथिक कार्य विभाग।
 - (सात) चेयरमैन, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ।
 - (ग्राठ) भारत के उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ ग्रधिवक्ता, श्री एन० ए० पालखीवाला।

सिमिति ने यह बात सभापित के ऊपर छोड़ दी कि वे जिस किसी भी ग्रन्य व्यक्ति को ठीक समझें, उसको साध्य देने के लिये ग्रामन्त्रित करें।

5. तत्पश्चात्, सिमिति ने विधेयक के विभिन्न चरणों पर निम्नलिखित कार्यक्रम के स्रनुसार विचार करने का निश्चय किया:

(एक) विधेयक पर खण्डवार विचार

4 तथा 5 फरवरी, 1974

(दो) प्रारूप प्रतिवेदन पर विचार तथा उसको स्वीकृत करना

18 फरवरी, 1974 (ग्रपरान्ह)

(तीन) सदस्यों ने विमति टिप्पण, यदि कोई हों

20 फरवरी, 1974

(चार) प्रतिवेदन का सभा में प्रस्तृत किया जाना

21 फरवरी, 1974

THE PERSON OF THE PROPERTY OF THE PERSON

ELEK R. D. FERS D. FERS DESK. PRINTER PL. TREET PREPARED

- 6. सिमिति ने यह इच्छा व्यक्त की कि वित्त मन्त्रालय विधेयक के उपबन्धों के विषय में लोकसभा में विभिन्न सदस्यों द्वारा दिये गये भाषणों पर विचार करे ग्रीर लोक सभा सिचवालय को शीघ्र तत्सम्बन्धी तथ्योत्मक जानकारी प्रस्तुत करे।
- 7. सिमिति ने यह भी इच्छा व्यक्त की कि वित्त मन्त्रालय सिमिति के पास ग्राने वाले विभिन्न ज्ञापनों को सारणीबद्ध करे ग्रीर उनके सम्बन्धों में ग्रपनी टिप्पणियां लोक-सभा सिचवालय को प्रस्तुत करे, ताकि उनको सिमिति के सदस्यों में परिचालित किया जा सके।
 - 8. तत्पश्चात् समिति की बैठक स्थगित हुई।।

हो

4. 如果有一天的 新班的整 新年度的第三人称形式的 人名英格兰人名

दूसरी बैठक

समिति की बैठक गृहवार, 17 जनवरी, 1974 को 10.20 से 12.30 बजे तक हुई।

उपस्थित

श्री नरेन्द्र कुमार सात्वे—सभापति

TOTAL BED THE THE PROPERTY STORE THE PER PARTY OF THE PAR

- 2. श्री भागवत झा घाजाद
 - 3. श्री ग्रोकार लाल बरवा
 - 4. श्री रघुनन्दन लाल भाटिया
 - 5. श्री एम० भोष्मदेव
 - 6. श्री जी० भुवाराहन

TO A OWN THE SURSE STREET AND THE PURISH OF PARTY STREET, STRE

THE SPREERS

DESTIR DUE DESTRUCTION

PRIVIPE OUR IS A

- 7. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट
- 8. श्री एस० ग्रार० दामाणी
 - 9. श्रीं वी० के० दासचौधरी
 - 10. श्री डी० डी० देसाई
 - 11. श्रीमती एम० गौडफ्रे
 - 12. श्री समर गुह
 - 13. श्री रामजी राम
 - 14. श्री नरेन्द्र कुमार सांधी
 - 15. श्री वसन्त साठे
 - 16. श्रीमती सावित्री श्याम
 - 17. श्री इरा सेझियान
 - 18. श्री शिव कुमार शास्त्री
 - 19. श्री सोम चन्द सोलंकी
 - 20. श्री एम० सुदर्शनम्
 - 21. श्री के० पी० उन्नीकृष्णन्
 - 22. श्री के० ग्रार० गणेश

विधायी परामर्शवाता

DISTEN

- 1. श्री ग्रार० वी० एस० पेरि-शास्त्री -संयुक्त सचिव ग्रौर विधायी परामर्शदाता
- 2. श्री वी० एस० भाष्यम् -उप-विधायी परामर्शदाता

वित्त मंत्रालय [राजस्व ग्रौर बीमा विभाग] के प्रतिनिधि

- 1. श्री ग्रार० डी० शाह-चेयरमैन, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड
- 2. श्री के० ई० जौनसन -सदस्य, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
- 3. श्री ग्रार० ग्रार० खोसला-निवेशक
- 4. श्री ग्रो०पी० भारद्वाज-उप-सचिव
- 5. श्री वी० पी० मनोचा-ग्रवर सचिव

सचिवालय

श्री हरि गोपाल परांजपे---उप-सचिव

- 2. सिमिति द्वारा फेडरेशन ग्रॉफ इंडियन चेम्बर्स ग्राफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री, नई दिल्ली के निम्तलिखित—प्रिति-निधियों का साक्ष्य सुनने से पहले सभापित ने उनका ध्यान ग्रह्यक्ष द्वारा जारी किये गये निदेशों के निदेश 58 की ग्रोर दिलाया:——
 - 1. श्री चरत राम
 - 2. श्री ए० के० जैन
 - 3. श्री हरिशंकर सिंघानिया
 - 4. श्री ग्रो० पी० वैश्य
 - 5. श्री जी० एल० बंसल

- 3. सिमिति के समक्ष दिये गये साक्ष्य का शब्दशः * रिकार्ड रखा गया। साक्ष्य 12.15 बजे तक चलता रहा।
- 4. उसके बाद एसोरि:एटिड चेम्बर्स ग्रॉफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री ग्रॉफ इंडिया, नई दिल्ली के निम्नलिखित प्रतिनिधि समिति के समक्ष उपस्थित हुए:--
 - 1. श्री एम० एच० मोदी
 - 2. श्री के० सी० खन्ना
 - 3. श्री ग्रार० एन० रत्नम्
 - 4. श्री एम० एम० मल्होत्रा

चूंकि एसोसिएटिड चेम्बर्स ग्रॉफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री ग्रॉफ इंडिया, नई दिल्ली ने ग्रपना ज्ञापन प्रस्तुत नहीं किया, ग्रत: सभापित महोदय ने कहा कि पहले वह ग्रपना ज्ञापन प्रस्तुत करें। उन्होंने सिमिति को ग्राश्वासन दिया कि वे ग्रपने ज्ञापन की प्रतियां 18 जनवरी, 1974 तक लोक-सभा सिचवालय को भेज देंगे। उसके बाद सिमिति ने यह निश्चय किया कि चेम्बर शनिवार, 19 जनवरी, 1974 को 12.30 बजे सिमित के समक्ष साक्ष्य देने के लिए प्रस्तुत हो।

- 5. ग्रन्त में सिमिति ने यह विश्वय विशा कि 18 ग्रीर 19 जनवरी, 1974 को उनकी बैठक 10.00 बजे के स्थान पर 10.30 बजे हो।
 - 6. तत्पश्चात् समिति की बैठक स्थगित हुई।

तीन

तोसरी बैठक

समिति की बैठक शुक्रवार, 18 जनवरी, 1974 को 10.30 बजे से 11.00 बजे तक हुई।

उपस्थित

श्री एन० कें पी० साल्वे—सभापति । अक्षेत्रका क्षेत्रका का का का का

WINDS TO THE PERSON OF THE PER

सदस्य अवस्य

- 2. श्री ग्रोंकार लाल बेरवा
- 3. श्री रघुनन्दन लाल भाटिया
- 4. श्री एम० भीष्मदेव
- 5. श्री जी० भ्वाराहन
- 6. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट
- 7. श्री सोमनाथ चटर्जी
- 8. श्री एस० ग्रार० दामाणी
- 9. श्री बी० के० दासचोधरी
- 10. श्री कातिक उराव
- 11. श्री नरेन्द्रं कुमार सांधी
 - 12. श्री वसन्त साठे
 - 13. श्री इरा सेझियान
 - 14. श्री एम० सुदर्शनम्
 - 15. श्री के० ग्रार० गणेश

BEIDEIP

pain pr--prise with the

SIN TO MEDIE BIEFO, SPECIAL STEELS OF STATE OF

到秦 京康 特別教 到拉萨摩 ,和萨斯一下的时间 ** 0 克 0 净 11时 . S.

AND THE STEE STATE OF THE PERSON OF STATE OF STA

是自身的一年至时间。65 160 65 16 18 E

PETE TO TO THE STREET

THE STORY OF STREET

THE OF SUITE S

THE OFF OTH HE A

MUNE OF OF HE A

SELL MAD LEWIS 111

SU THE IS SE

大学和女孩 0.00 150 147

Binding old of 18 717

12 M To MINO WITH

TIS SET THAT THE

desired province in a

^{*} ग्रलग से भेजा जा रहा है।

विधायी सलाहकार

- 1. श्री म्रार० वी० एस० पेरिशास्त्री--संयुक्त सचिव मौर विधायी सलाहकार
- 2. श्री बी० एस० भाष्यम्—उप-विधायी सलाहकार

वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग के प्रतिनिधि)

THE STREET WHITE LALE

TO SEE ON THE LOCAL CO.

PETE SER SET OFF OFF OFF SER

DETERMENT OF THE PERSON THE

STATE STREET, STATE AT BASE OF THE STATE

15 16 0 EU 0 EU 183 . (

THE REPORT OF THE REST OF

TRUE DE CONTROL OFFI TES

THE NEW

- 1. श्री ग्रार० डी० शाह, चेयरमेन, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड
- 2. श्री के० ई० जौनसन, सदस्य, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड
- 3. श्री ग्रार० ग्रार० खोसला, निदेशक
- 4. श्री ग्रो० पी० भारद्वाज, उप सचिव
- 5. श्री वी० पी० मिनोचा, ग्रवर सचिव

सचिवालय

श्री हरिगोपाल परांजपे--उप-सचिव

2. सिमिति ने प्राक्कलन सिमिति के सभापति श्री कमलनाथ तिवारी के निधन पर शोक व्यक्त किया श्रीर निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किया:——

'समिति 17 जनवरीं, 1974 को ग्रपने ग्रत्यधिक सम्मानित सहयोगी ग्रौर प्राक्कलन समिति के सभापित श्री कमलनाथ तिवारी के ग्रचानक निधन पर ग्रत्यधिक शोक व्यक्त करती है ग्रौर शोकसंतत परिवार के सदस्यों को ग्रपनी हार्दिक संवेदना भेजती है।"

तत्पश्चात्, सदस्य मृतक के सम्मान में कुछ समय के लिए मौन खड़े रहे।

- 3. तत्पश्चात् सिमिति ने निश्चय किया कि भारत सरकार के जिन सिचवों को ग्राज, 18 जनवरी 1974 को सिमिति के समक्ष उपस्थित होने के लिए ग्रामिन्तित किया गया था उन्हें ग्रब शनिवार, 19 जनवरी, 1974 को 15.00 बजे उपस्थित होने को कहा जाए।
 - 4. तत्पश्चात्, समिति की बैठक स्थगित हुई।

चार

-- 19 की प्रकास क्षेत्र कि विकास में भी बैठक कार किए किए कि कि कि कि कि कि

समिति की बैठक शनिवार, 19 जनवरी, 1974 को 10.30 बजे से 13.40 बजे तक स्रौर पुन: 15.00 बजे से 18.10 बजे तक हुई।

उपस्थित

श्री नरेन्द्र कुमार साल्वे—सभापति

सदस्य अपनित्र । स्वाप्त ।

- 2. श्री भागवत झा ग्राजाद का महाम प्रशासिक का
- 3. श्री म्रोंकार लाल बेरवा
- 4. श्री रघुनन्दन लाल भाटिया
- 5. श्री एम० भीष्मदेव
- 6. श्री जी० भुवाराहन
- 7. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट

FIRSTED IMPRI

PERSONNELLE CHARLES OF THE PERSONNELLE CONTRACTOR OF THE PERSONNEL

THE ME PERSON DESIGNATION OF THE ASSESSMENT OF THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE PA

SIN NATIONAL DISTRICT, PROPERTY OF CAR ASSESSED.

PRIN-PE-PRISE RIPIPIES IN

PRINT AFFIRM OVID OF IN L

S SI SI SIO TESTAL NAME OF STREET

समय उपनिष्य ताम में निया आयोगित विकास मान हिम्मी

a design to the state of the same of

到的连是一一到15 文田等 2025、杜珍

THE DIE STRIKE THE REAL

SOUTH STATES THE APPLICATIONS

SEPERFE OFF TWO IS

STRIFF OF HE IN

THE REPORT OF THE PERSON

DUTE THE THE PIETE

PETER PER STREET, STRE

- 8. श्री सोमनाथ चटर्जी
- 9. श्री एस० ग्रार० दामाणी
- 10. श्री डी० डी० देसाई
- 11. श्री समर गुहा
- 12. श्री कातिक उरांव
- 14. श्री नरेन्द्र कुमार सांघी
- 15. श्री बसंत साठे
- 16. श्रीमती सावितः श्याम
- 17. श्री इरा सेझियान
- 18. श्री शिव कुमार शास्त्री
- 19. श्री सोमचन्द सोलंकी
- 20. श्री एम० सुदर्शनम
- 21. श्री के० पी० उन्नीकृष्णन
- 22. श्री के० ग्रार० गणेश

विधायी परामर्शदाता

- विधाया परामशदाता

 1. श्री ग्रार० बी॰ एस॰ पेरी शास्त्री—संयुक्त सचिव ग्रीर विधायी परामर्शदाता
- 2. श्री बी॰ एस॰ भाष्यम-- उप विधायी परामर्शदाता

वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग के प्रतिनिध)

- 1. श्री ग्रार० डी० शाह, चेयरमैन, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड
- 2. श्री के० ई० जौन्सन, सदस्य, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड
- 3. श्री ग्रार० ग्रार० खोसला, निदेशक
 - 4. श्री ग्रो० पी० भारद्वाज, उप-सचिव
 - 5. श्री वी० पी० मिनोचा, ग्रवर सचिव

सचिवालय

154919

初与各种

श्री हरि गोपाल परांजपे--उप-सचिव

2. सिमति ने निम्नलिखित एसोसिएशनों, संगठनों, ग्रादि के प्रतिनिधियों का साक्ष्य लिया :--

(प्रारम्भ में सभापति ने ग्रघ्यक्ष महोदय द्वारा दिये गये निदेशों के निदेश संख्या 58 के उपबन्धों की भ्रोर प्रतिनिधियों का घ्यान दिलाया।)

एक. श्री एन० ए० पालकीवाला,

वरिष्ठ अधिवक्ता, भारत का उच्चतम न्यायालय, बम्बई।

(10.30 बजे से 13.15 बजे तक)

वो. एसोसियेटिड चंम्बर्स ग्राफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री ग्राफ इंडिया, नई दिल्ली का कामर्स एण्ड

प्रवक्ता

- 1. श्री एम० एच० मोदी
- 2. श्री के० सी० खन्ना
- 3. श्री ग्रार० एन० रत्नम
- 4. श्री एम० एम० मल्होता

THE SE SEE SEE SEE

TRIB FIRE SEED IN SI

PHOP DENIES TOFFIE 21

that and part is at

SECRETED OF THE ON

THE PARTY OF THE LAND

LEFTH STEFFIT IN AL

DERSE SET IN CI

THE ME AND THE

BIT SELECTED IN DI

SIN HAR IN TE

का इस सामयान

(13.15 बजे से 13.40 बजे तक)

तत्पश्चात् समिति की बैठक मध्याह्न भोजन के लिए स्थगित हुई ग्रौर 15.00 बजे पुनः समवेत हुई

- तीन. 1. श्री बी० डी० पांडे, मंत्रिमंडल सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली।
 - श्री एम० ग्रार० यार्डी,
 वित्त सचिव,
 भारत सरकार, नई दिल्ली।
 - श्री एच० एन० रे,
 सचिव,
 (व्यय विभाग),
 वित्त मंत्रालय,
 भारत सरकार, नई दिल्ली।
 - 4. श्री ग्रार० वी० रमन सचिव, ग्रीद्योगिक विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली क्रांस्ट्रा
 - श्री बी० वी० लाल,
 सचिव, योजना मंत्रालय,
 भारत सरकार, नई दिल्ली ।

(15.00 बजे से 18.10 बजे तक)

- 3. साक्ष्य का शब्दशः अभिलेख रखा गया ।*
- 4. तत्पश्चात् सिमिति ने निश्चय किया कि सरकारी संशोधनों की सूचना तथा उनके बारे में व्याख्यात्मक टिप्पण 28 जनवरी, 1974 तक लोक सभा सिचवालय को भेज दिये जायें।
- सिमिति ने यह भी निश्चय किया कि सदस्य ग्रपने संशोधनों की सूचनाएं, यदि कोई हों तो 1 फरवरी, 1974 तक भेज सकते हैं।
 - 6. तत्पश्चात् समिति की बैठक स्थगित हुई।

पांच

पांचवी बैठक

समिति की बैठक सोमवार, 4 फरवरी, 1974 को 10.30 बजे से 13.00 बजे तक हुई।

श्री नरेन्द्र कुमार साल्वे—सभापति

सदस्य

THE THAT PHATE PRINTS PERSON PERSON TO THE P.

THE STREET PERSONS AND PROPERTY OF THE PERSONS ASSESSED.

AND A SHEEF WALL IS LIVE THEFT

- 2. श्री भागवत झा ग्राजाद
- 3. श्री ग्रोंकार लाल बेरवा
- 4. श्री रघुनन्दन लाल भाटिया
- 5. श्री एम० भीष्मदेव
- 6. श्री जी० भुवराहन
- 7. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट

(THE REPORT OF THE REPORT)

APPEN MERKIN

THE STREET, ST

THIR PART

· 京新市场的 作家中

NAME OF STREET

TPIN

THE PERSON OF PERSONS

I THEN BY STREET BUILD

A THREE THE STREET STREET

AND PERSONAL PROPERTY AND PARTY AND PARTY.

ARREST TO THE PURPLE OF THE PARTY OF PARTY OF

LIST BURE ASE OF BUILD STREET, a

STRIP IN STRIP IN

THE REPORT OF THE PARTY.

THE OF STREET

TO THE SERVICE WHEN THE PARTY OF PARTY OF PARTY OF THE PA

- 8. श्री सोमनाथ चटर्जी
- 9. श्री यशवन्त राव चव्हाण
- 10 श्रो बी० के दास चोधरी
- 11. श्री डी० डी० देसाई
- 12. श्री कातिक उरांव
- 13. श्री नरेन्द्र कुमार सांघी
- 14. श्री वसन्त साठे
- 15. श्रीमती सावित्री श्याम
- 16. श्री इरा सेझियान
- 17. श्री शिव कुमार शास्त्री
- 18. श्री सोमचन्द सोलंकी
- 19. श्री एम० सुदर्शनम
- 20. श्रो के० पो० उन्नोक्वष्णन
- 21. श्री के० ग्रार० गणेश

विधायो परामर्शदाता

- 1. श्री ग्रार० वी० एस० पेरी शास्त्री—संयुक्त सचिव ग्रीर विधायी परामशंदाता
- 2. श्री बी० एस० भाष्यम्—उप विधायी परामर्शदाता

वित्त मंत्रालय के प्रतिनिध (राजस्व तथा बीमा विभाग)

- 1. श्री ग्रार० डी० शाह, -- चेयरमैन, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
- 2. श्री के० ई० जानसन—सदस्य, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
 - 3. श्री ग्रार० ग्रार० खोसला, निदेशक
 - 4. श्री ग्रो० पी० भारद्वाज, उप-सचिव
 - 5. श्री वी० पी० मिनोचा, ग्रवर सचिव

सचिवालय

श्री एच० जी० परांजपे-- उप-सचिव

- 2. सर्वप्रथम, सिमिति ने उसे दिये गए ज्ञापनों में तथा सिमिति के समक्ष दिये गए मौखिक साक्ष्य के दौरान उठाये गए विभिन्न प्रश्नों पर सामान्य विचार-विमर्श किया। विचार विमर्श 12.15 बजे पूरा हुग्रा।
 - 3. तत्पश्चात् समिति ने विधेयक पर खण्डवार विचार ग्रारम्भ किया।
 - 4. खण्ड 2 निम्नलिखित संशोधन स्वीकार किया गया :---

पृष्ठ 2, पंक्ति 34-35

"इस निमित्त उसके द्वारा अनुमोदित" के स्थान पर

"इस निमित्त किसी राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित" प्रतिस्थापित करें।

खण्ड, यथा संशोधित, स्वीकार किया गया।

5. तत्पश्चात्, सिमिति की बैठक मंगलवार, 5 फरवरी, 1974की 10.30 बजे पुनः समवेत होने तक के लिये स्थिगत हुई।

छठी बैठक

समिति की बैठक मंगलवार, 5 फरवरी, 1974 को 10.30 बजे से 13.00 बजे तक ग्रौर पुन: 15.00 बजे से 17.00 बजे तक हुई। RESERVED -- DESTRICT TO THE PARTY IN

उपस्थित । जानमें नामरणा अस्तिमें के लोगोर उ

श्री नरेन्द्र कुमार साल्वे—सभापति

1 file (1981) Pfe 170 "(#)" A C TEEP A. 609 (179)

I first that the late to be to be the first (fr)

त. समिति की जेडक 13,00 वर्ष समाम हेई पीए 15,00 वर्ष प्राप्त

TIPP IN THE DE THE PETER PRINTER PRINTERS OF THE

FF 15 570 F THE BELL FELLES BEST TO THE LESS THE (15)

THE DELIVER OF THE SWILL IN

PIR STREET IN THE PARTY

DE RESIDE OF THE PART WAS THE RESIDENCE AND THE PARTY OF THE PARTY OF

FIRST NO END WELL A STAN

I S TOPE DE DE SVEL SFEET II

I THE RESIDENCE FOR THE PARTY OF THE PARTY O

- -- मार्ग प्रकृति क्रिक्ति स्वस्य क्रिक्ति क्रिक्
- पानी के हैं 3, श्री श्रोंकार लाल बेरवा
- 5. श्री सोमनाथ चटर्जी
- (1) राष्ट्रिक विकास स्थाप स्थाप विकास स्थाप स्था
- गृहों कि है 7-7 थी. एस० आर० दामाणी अभावती किहासका से कि महिला में कि एक महिला के (5) साहाद के
- THE PERSON WITH THE THE PARTY OF THE PERSON
 - 10. श्रीमती एम० गौडफ़े
 - 11. श्री दिनेश चन्द्र गोस्वामी है कि अपन प्रमाण प्रमाण है है है है है है है है है
 - 12. श्री समर गृह
 - I find that the the table statistics to the training of the table 13. श्री श्याम सुन्दर महापात्र
 - 14. श्री कार्तिक उरांव
 - 15. श्री नरेन्द्र कुमार सांशी
 - 16. श्री वसन्त साठे
 - 17. श्रीमती सावित्री श्याम
 - 18. श्री इरा सेझियान
 - 19. श्री शिव कुमार शास्त्री
- है (1) 20. श्री सोमचन्द सोलंकी
 - 21. श्री एम० सुदशनन
- 22. श्री के० पी० उन्नीकृष्णन
 - 23. श्री के० ग्रार० गणेश

PO (PO) DIE PE PRINCIPA OF SO PER PERSONAL विधायो परामर्शदाता

- 1. श्री ग्रार० बी० एस० पेरी शास्त्री—संयुक्त सचिव ग्रौर विवायी परामर्शदाता
- 2. श्री बी० एस० भाष्यम—उपविधायी परामर्शदाता

वित मंत्रालय के प्रतिनिध (राजस्व स्रोर बीमा विभाग)

- 1. श्री ग्रार० डी० शाह, ग्रध्यक्ष केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
- 2. श्री के० ई० जोहनसन, सदस्य, केन्द्राय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
 - 3. श्री ग्रार० ग्रार० खोसला, निदेशक
- 4. श्री ग्रो० पी० भारद्वाज, उप-सचिव
 - 5. श्री वी० पी० मिनोचा, ग्रवर सचिव

सचिवालय

श्री हरिगोपाल परांजपे— उप-सचिव

- 2. समिति ने विधेयक पर खण्डवार विचार ग्रारम्भ किया ।
- 3. खण्ड 3--निम्नलिखित संशोधन स्वीकार किये गये :
 - (एक) पृष्ठ 3, पंक्ति 22 के पश्चात् निम्नलिखित ग्रन्तःस्थापित किया जाये---

परन्तु निर्धारिती, धारा 139 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के ग्रधीन उस निर्धारण वर्ष की, जिसकी बात वह इस खण्ड के ग्रधीन पहली बार कटौती का हकदार हुग्रा हो, ग्राय की विवरणी देने के लिए ग्रनुज्ञात समय की समाप्ति से पूर्व, चाहे वह मूल रूप से नियत किया गया हो या बढ़ाया गया हो, ग्रायकर ग्रधिकारी को यह लिखित घोषणा दे सकेगा कि इस खण्ड के उपबन्ध उसको लागू नहीं होंगे ग्रौर यदि वह ऐसा कर देगा तो इस खण्ड के उपबन्ध उसको उस निर्धारण वर्ष के लिए ग्रौर प्रत्येक पश्चात्वर्ती निर्धारण वर्ष के लिये लागू नहीं होंगे, किन्तु ऐसा इस प्रकार होगा कि निर्धारिती धारा 139 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के ग्रधीन किसी ऐसे पश्चात्वर्ती निर्धारण वर्ष के लिए ग्राय की विवरणी देने के लिए ग्रनुज्ञात समय की समाप्ति से पूर्व, चाहे वह मूल रूप से नियत किया गया हो या बढ़ाया गया हो । ग्रपनी घोषणा को प्रतिसंहत कर सकेगा ग्रौर ऐसे प्रतिसंहरण पर, इस खण्ड के उपबन्ध निर्धारिती को, उस पश्चात्वर्ती वर्ष के लिए ग्रौर उसके बाद वाले प्रत्येक निर्धारण वर्ष के लिए, लागू होंगे ;

BIPINE - FOLD VIEW SIFE IN

STATE AND A SHIRLD PERSON THE VALUE OF

THE STATE OF THE S

- (दो) पृष्ठ 3, पंक्ति 23, "परन्तु" के स्थान पर "परन्तु और कि" प्रतिस्थापित किया जाये।
- (तीन) पृष्ठ 4, पंक्ति 1 ग्रौर 2 "निर्धारिती द्वारा" का लोप किया जाये। इस खण्ड पर ग्रागे विचार स्थगित हुग्रा।
- 4. खण्ड 4---निम्नलिखित संशोधन स्वीकार किये गये :
 - (एक) पृष्ठ 4, पंक्ति 14, "(क)" का लोप किया जाये।
 - (दो) पृष्ठ 4, 17 से 34 पंक्तियों का लोप किया जाये। यह खण्ड, संशोधित रूप में, स्वीकृत हुग्रा।
- 5. समिति की बैठक 13.00 बजे समाप्त हुई ग्रौर 15.00 बजे पुनः सनवेत हुई । खण्ड 5—निम्नलिखित बातों पर विवार करने हेतु इस खण्ड पर विचार विमर्श स्थिगित हुग्रा।
 - (एक) क्या बड़े पैमाने पर कर के अपवंचन की गुंजाइश को समाप्त करने के लिए धारा 35 (1) (दो) में संशोधन किया जा सकता है; और
 - (दो) क्या किसी कारबार से सम्बद्ध वैज्ञानिक अनुसन्धान के लिए दी गई राशि का सम वेश करने के लिए आयकर अधिनियम की धारा 35 की प्रस्तावित उप-धारा (2क) में प्रवर्धन किया जा सकता है।
- 7. खण्ड 6--इस खण्ड पर ग्रागे विचार स्थगित हुग्रा।
- 8. खण्ड 7 ग्रीर 8--ये खण्ड बिना किसी संशोधन के स्वीकृत हुए।
- 9. खण्ड : --इस खण्ड पर विचार स्थगित हुआ।
- 10. खण्ड 10 से 12--ये खण्ड बिना किसी संशोधन के स्वीकार किये गये।
- 11. खण्ड 13--इस खण्ड पर विचार स्थगित हुआ।
- 12. खण्ड 14-यह खण्ड विना किसी संशोधन के स्वीकृत हुग्रा।
- 13. सिमिति ने निश्चय किया कि सदस्य के खण्ड 16 में संशोधन की और सूचना, यदि कोई हो, तो सोमवार, 11 फरवरी, 1974 तक भेज सकते हैं।
- 14. तत्पश्चात् सिर्मात ने ग्रपने भावी कार्यत्रम को ग्रन्तिम रूप देने के लिये सोमवार, 18 फरवरी, 1974 को 15.00 बजे समवेत होने का निश्चय किया ।
 - 15. तत्पश्चात् समिति की बैठक स्थगित हुई।

सात

सातवीं बैठक

समिति की बैठक सोमवार, 18 फरवरी, 1974 को 15.00 बजे से 15.45 बजे तक हुई।

उपस्थित

श्री नरेन्द्र कुमार साल्वे—सभापति

सदस्य

- 2. श्री भागवत झा ग्राजाद
- 3. श्री ग्रोंकार लाल बेरवा
- 4. श्री यशवन्त राव चव्हाण
- 5. श्री बी० के० दास चौधरी
- 6. श्री डी० डी० देसाई
- 7. श्रीमती एम० गौडफो
- 8. श्री दिनेश चन्द्र गोस्वामी
- 9. श्री समर गृह
- 10. श्री एच० एम० पटेल
- 11. श्री नरेन्द्र कुमार सांघी

विधायी परामर्शदाता

100 915 915 115 2

श्री वी० एस० भाष्यम्—उप विधायी परामर्शदाता

TENTE SELECTION OF THE PARTY OF

वित्त मंत्रालय (राजस्व तथा बीमा विभाग)

के प्रतिनिध

PRINCIPLE PRINCIPLE

- 1 श्री अगर बोर शाह--वैयरमैन, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड।
- 2. श्री के० ई० जोन्सन-- पदस्य, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड।
- 3. श्री ग्रो० पी० भारहाज--उप-सचिव।

सचिवालय

श्री हरिगोपाल परांजपे--उप-सिचव

- 2. प्रारम्भ में सिमिति को बताया गया कि वित्त तथा विधि ग्रीर न्याय मंत्रालयों से सम्बन्धित ग्रिधिकारी मार्च, 1974 तक बजट सम्बन्धी कार्य में व्यस्त रहेंगे।
- 3. उपर्युक्त स्थिति को देखते हुये सिमिति ने अनुभव किया कि विधेयक पर खण्ड-वार विचार तथा उसके अन्य प्रक्रमों के कार्यों को निर्धारित तिथि, अर्थात 22 फरवरी, 1974 तक पूरा करना सिमिति के लिए सम्भव नहीं होगा। इसलिये सिमिति ने अपने प्रतिवेदन को प्रस्तुत करने के समय को 30 अप्रैल, 1974 तक बढ़ाने की मांग करने का निर्णय किया।
- 4. सिमिति ने सभापित को तथा उनकी अनुपिस्थिति में श्रीमती एम० गौडफ्रे को इस सम्बन्ध में 21 फरवरी, 1973 को सभा में आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिये प्राधिकृत किया।
 - 5. तत्पश्चात सिमिति ने ग्रपने भावी कार्यक्रम पर विचार किया तथा निम्नलिखित निर्णय किया :---
 - (एक) विधेयक पर ग्रागे खण्डवार विचार करना मंगलवार, 26 मार्च, 1974 तथा बधवार, 27 मार्च, 1974।
 - (दो) प्रतिवेदन के प्रारूप पर विचार करना तथा उसे मंगलवार, 16 अप्रैल, 1974। स्वीकार करना
 - (तीन) सदस्यों के विमति टिप्पण

सोमवार, 22 ग्रप्रैल, 1974।

6. तत्पश्चात् समिति की बैठक स्थगित हुई।

आठ

ग्राठवीं बैठक

समिति की बैठक मंगलवार, 26 मार्च, 1974 को 15.00 बजे से 15.30 बजे तक हुई।

STORY - FAIR SHE SAN IS

N. St. Mild. W. Mild.

WEST STATES IN THE

उत्ति कि कि विश्व निविद्य

3. SI BIRTH BURN BEEF

हा शह बार बार देवाड

र श्रीमती एम् माइफ

TO SPORT OFF THE .OI

शिम अपन्य कुमार सांजी

I FFIT-TE--REVIEW OF THE E

A STATE THAT IS NOT THE THE PART AND

155年 对前时

(बीन) सवस्तां के विश्वात (क्रिक्र

ा हेट सम्बात सामात की बेटक स्वांमात होता ।

2. प्रारम्भ में समिति को बताबा यथा कि विक अवा ि

9. वी समर गढ

8. थी विसेश बाद गोरवाकी

उपस्थित

श्री नरेन्द्र कुमार साल्वे--सभापति

सदस्य

- 2. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट
- 3. श्री सोमनाथ चटर्जी
- 4. श्री एस० ग्रार० दामाणी
- 5. श्री डी० डी० देसाई
- 6. श्री श्याम सुन्दर महापाव
- 7. श्री एच० एम० पटेल
- 8. श्री नरेन्द्र कुमार सांघी
- 9. श्री इरा सेझियान

विधायी परामर्शदाता

- 1. श्री ग्रार० वी० एम० पेरी शास्त्री—संयुक्त सचिव ग्रौर विधायी परामर्शदाता
- 2. श्री बी॰ एस॰ भाष्यम्—उप-विधायी परामर्शदाता का विकास कार्य कार्य

वित्त मंत्रालय (राजस्व तथा बीमा विभाग) के प्रतिनिध

- 1. श्री ग्रार० डी० शाह-- चेयरमैन, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
- 2. श्री के० ई० जान्सन—सदस्य, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के विकास कर बोर्ड के विकास कर वार्ड के विकास कर वार्ड
- 3. श्री ग्रार० ग्रार० खोसला——निदेशक कि का अपने प्राप्त कि कि कि प्राप्त कि कि कि कि
- 4. श्री ग्रो० पी० भारद्वाज--उप-सचिव
- 5. श्री वी० पी० मि गोचा--ग्रवर-सचिव

सचिवालय क्रिकेट क्रिकेट कार्याक्षेत्र हैं

श्री हरिगोपाल परांजपे--उप-सचिव

- 2. गणपूर्ति न होने के कारण समिति की बैठक स्थगित हुई।
- 3. सभापति ने घोषणा की कि समिति की बैठक निश्चित कार्यक्रमानुसार बुधवार, 27 मार्च, 1974 को 15.00 बजे होगीं।

4. समिति ने समापति को तथा उनकी अनुपरिष्क्रि में नीतार एक वार्या के समापति के समापति के समापति के समापति के समापति के सामापति के समापति किया । 1973 को सभा में सामापति प्रति वार्या प्रति के सिष्के किया किया ।

इ. तत्परवात समिति ने अप हे मार्ग कार्यक प्रका बिठक ए नवीं बैठक एका विभाग किया निर्मा किया है.

समिति की बैठक बुधवार, 27 मार्च, 1974 को 15.00 बजे से 17.30 बजे तक हुई। (क्र)

श्री नरेन्द्र कुमार साल्वे—सभापति विकास मार्गिक मार्गिक कि कि कि कि

सदस्य

FIRE

- 2. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट
- 3. श्री सोमनाथ चटर्जी

S. WEE S. THEN STREET STREET STREET, STREET, S. S.

I IPP IPP THE STREET

F ! FFIP (7 30P 195 80 H 20 BFIP 3 30P (WD)

अवस्थित नामान न इच्छा व्यास की कि महिनार

। विकास के महिला प्रकृतिक प्रकृतिक के प्रकृतिक के

the last alk lasts alk like in the

- 4. श्री यशवन्त राव चव्हाण
- 5. श्री एस० ग्रार० दामाणी
- 6. श्री बी० के० दासचौधरी
 - 7. श्री डी॰ डी॰ देसाई
 - 8. श्री एच० एम० पटेल कि कि कि एक स्थानिक कि कि कि कि अप (कि)
 - 9. श्री नरेन्द्र कुमार सांघी
- मार्गित के कि प्राप्त कि अर्थ इस से सियान का कार्यक के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य
 - 11. श्री के० पी० उन्नीकृष्णन्
 - 12. श्री के० ग्रार० गणेश अस्ति प्राहित हरा है।

विधायी परामर्शदाता

- 1. श्री ग्रार० बी० एस० पेरी-शास्त्री—संयुक्त सचिव ग्रीर विधायी परामर्शदाता
 - 2. श्री बी॰ एस॰ भाष्यम् उप-विधायी परामर्शदाता

वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) के प्रतिनिध

- 1. श्री ग्रार० डी० शाह—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड।
 - 2. श्री के० ई० जोनसन—सदस्य कन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड।
 - 3. श्री ग्रार० ग्रार० खोसला—**निदेशक**।
- कि प्रति । भी श्री श्री श्री श्री भी भारद्वाज—उप-सचिव।
 - 5. श्री वी॰ पी॰ मनोचा— स्रवर-सचिव।

-- प्रश्नीत वर्गामकोष हर्होत्रीता अर सचिवालय वह स्ति । हर हर्ग (हास)

- 2. सिमिति ने विधेयक पर खण्ड-वार विचार पुनः ग्रारम्भ किया ।
- 3. खण्ड 3. दिखिये दिनांक 5 फरवरी, 1974 के कार्यवाही-सारांश का पैरा 3] निम्नलिखित ग्रीर संशोधन स्वीकृत किया गया :

पृष्ठ 3, पंक्ति 16 से 19 के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जाये ।

"परन्तु यह ग्रौर कि इस खण्ड के ग्रधीन निम्नलिखित की बाबत कोई कटौती ग्रनुज्ञात नहीं की जाएगी--

- (क) किसी कार्यालय के परिसर या किसी निवास स्थान में, जिसके अन्तर्गत अतिथि-गृह के प्रभार का स्थान भी है, संस्थापित मशीनरी या संयंत्र, और
- (ख) ऐसा पोत, वायुयान, मशीनरी या संयंत्र जिसकी बाबत धारा 33 के अधीन विकास रिबेट के रूप में कटौती अनुज्ञेय है।"

खण्ड पुनः संशोधित रूप में स्वीकार किया गया।

4. खण्ड 5. [देखिये दिनांक 5 फरवरी, 1974 के कार्यवाही सारांश का पैरा 6]—निम्नलिखित संशोधन स्वीकार किये गये :

- (एक) पृष्ठ 5, पंक्ति 17 -18, "उसके द्वारा चलाये जा रहे कारवार से सम्बन्धित" का लोप कीजिये।
 - (दो) पृष्ठ 5, पंक्ति 30 से 34 का लोप कीजिये।

खण्ड संशोधित रूप में स्वीकर किया गया ।

5. खण्ड6. दिखिये दिनांक 5 फरवरी, 1974 के कार्यवाही सारांश का पैरा 7] खण्ड बिना किसी संशोधन के स्वीकार किया गया।

- 6. लण्ड 9. निम्नलिखित संशोधन स्वीकार किये गये :
 - (एक) पृष्ठ 6, पंक्ति 32 से 38 तथा पृष्ठ 7, पंक्ति 1 से 11 का लोग की जिये।

 तथापि समिति ने इच्छा व्यक्त की कि सरकार उसकी अगली बैठक में समिति के विचार के लिये

 इस सम्बन्ध में संशोधित मसौदा प्रस्तुत कर सकेगी।
 - (दो) पृष्ठ 8, पंक्ति 30, "पोत के सन्निर्माण या" का लोप कीजिये। खण्ड पर ग्रागे विचार रोक दिया गया।
- 7. खण्ड 13. [देखिये दिनांक 5 फरवरी, 1974 के कार्यवाही सारांश का पैरा 11] खण्ड बिना किसी संशोधन स्वीकार किया गया ।
 - 8. लाड 15. निम्नलिखित संशोधन स्वीकार किये गये :
 - (एक) पृष्ठ 10, पंक्ति 5-- 7 के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जाये :--

"बिहार: भागलपुर, दरमंगा, पूर्वी-चम्पारन, मधुबनी, मुजनकरपुर, पालामऊ, पूरिणया, सहरसा, मसस्तीपुर, संथाल परगना, सारन, सीतामढ़ी, सीवान, वैशाली और पश्चिमी चम्पारन जिले।"

- (दो) पृष्ठ 10, पंक्ति 'हिसार' के पहले "भिवानी" अंतःस्थापित कीजिये।
- (तीन) पृष्ठ 10, पंक्ति 12 "चम्बा के बाद हमीरपुर" अन्तःस्थापित कीजिये ।
- (चार) पृष्ठ 10, पंक्ति 12-13 "ग्रीर लाहुल ग्रीर स्पिति" के स्थान पर "लाहुल ग्रीर स्पिति, सिरमूर, सोलन ग्रीर ऊना" प्रति-स्थापित कीजिये ।

(पांच) पृष्ठ 10, पंक्ति 16 क़े बाद अन्तःस्थापित कीजिये।

"कर्नाटक: बेलगांव, बीदर, वोजापुर, धारवाड़, गुलबर्ग, हसन, मैसूर, उत्तरी करारा, रायचूर, दक्षिणी कनारा ग्रौर तुमकुर जिले।"

- (छ) पृष्ठ 10, पंक्ति 24 "राजगढ़" के बाद "राजनांद गांव" अन्तःस्थापित की जिये।
- (सात) पृष्ठ 10 पंक्ति 29 "कोलाबा" के स्थान पर निम्नलि खित प्रतिस्थापित कीजिये :---

भारत सरकार द्वारा जारी की गई ग्रिधसूचना सं० ग्रार० पी० बी० 1173-1-ग्रार० पी० सी० तारीख 16 ग्रगस्त, 1973 द्वारा यथा संगोधित ग्रिधसूचना सं० ग्रार० पी० बी० 1171-18124-ग्राई० डब्ल्यू० तारीख 20 मार्च, 1971 में, जो महाराष्ट्र सरकार (नगर विकास, लोक स्वास्थ्य ग्रीर ग्रावास विभाग) द्वारा महाराष्ट्र रिजनल एण्ड टाउन प्लानिंग एवट, 1966 (1966 का महाराष्ट्र ग्रिधिनियम सं० 37) की धारा 113 की उप-धारा (1) के ग्रधीन जारी की गई है, प्रस्थापित नए मुम्बई नगर के स्थल के रूप में ग्रिभिहत क्षेत्र में समाविष्ट प्रभाग को छोड़कर कोलाबा जिला"

(म्राठ) पृष्ठ 10, पंक्ति 33-34

"श्रौर यूनाइटेड खासी श्रौर जर्यान्तया हिल्स" वे स्थान पर "जर्यान्तया हिल्स श्रौर खासी हिल्स" प्रतिस्थापित कीजिये ।

- (नी) पृष्ठ 10, पंक्ति 35 से 38 का लोप की जिये।
- (दस) पृष्ठ 11, पंक्ति 5 "भटिण्डा जिला" के स्थान पर प्रतिस्थापित की जिये :

"भटिण्डा जिला; फरीदकोट जिले का इतना भाग जो 31 जुलाई, 1972 को भटिण्डा जिले का हिस्सा था;"

(ग्यारह) पृष्ठ 11, पंक्ति 23, "शाहजहांपुर" के पश्चात् "सीतापुर" ग्रन्तः स्थापित की जिये ।

(बारह) पृष्ठ 11, पंक्ति 36 तथा 37

"लक्कादीव, मिनिकाय और अमीनदीवी द्वीपसमूह" के स्थान पर "लक्षद्वीप" प्रतिस्थापित किया जाये। (तेरह) पृष्ठ 11, पंक्ति 39 के बाद निम्नलिखित श्रंतःस्थापित किया जायें:—

"स्पष्टीकरण—जैसा ग्रिभव्यक्त रूप से उपबंधित है उसके सिवाय, इस ग्रनुसूची में किसी जिले के प्रति निर्देश का यह ग्रर्थ लगाया जाएगा कि वह उस जिले में 3 सितम्बर, 1973 को, जो प्रत्यक्ष कर (संशोधन) विधेयक, 1973 को लोक सभा में पुर:स्थापित करने की तारीख है, समाविष्ट क्षेत्रों के प्रति निर्देश है।"

खण्ड संशोधित रूप में स्वीकृत हुग्रा।

- 9. खण्ड 16: खण्ड पर विचार स्थगित कर दिया गया।
- 10. तत्पश्चात् समिति ने विधेयक पर खण्डवार आगे विचार आरम्भ करने के लिए सोमवार, 8 अप्रैल, 1974 को 15.00 बजे बैठक करने का निर्णय किया।
 - 11. तत्पश्चात् समिति की बैठक स्थगित हुई।

दस

दसवीं बैठक

समिति की बैठक सोमवार, 8 अप्रैल, 1974 को 15.00 बजे से 15.45 बजे तक हुई।

उपस्थित

THE RESERVE WHEN THE PARTY OF THE

TOTAL STATE OF THE PARTY (NO. 1)

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T

THE RESERVE OF THE RESERVE OF THE PARTY OF T

THE PURPOSE OF THE PARTY OF THE

A PIN TO THE SELECTION OF A STRAIN OF STRAIN

A THE PROPERTY.

न जारह हैं। विस्तृत विस्तृत हैं

With the same against of the property

श्री नरेन्द्र कुमार साल्वे--सभापति

सदस्य

- 2. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट
- 3. श्री यशवन्तराव चव्हाण
- 4. श्री बी० के० दासचौधरी
- 5. श्री डी० डी० देसाई
- 6. श्री कार्तिक उरांव
- 7. श्री एच० एम० पटेल
- 8. श्री वसंत साठे
- 9. श्रीमती सावित्री श्याम
- 10. श्री सोमचन्द सोलंकी
- 11. श्री एम० सुदर्शनम्
- 12. श्री के० पी० उन्नीकृष्णन्

विधायी परामर्शवाता

- 1. श्री ग्रार० वी० एस० पेरि-शास्त्री--संयुक्त सचिव तथा विधायी परामर्शदाता
- 2. श्री वी० एस० भाष्यम्—उप-विधायी परामर्शदाता

वित्त मंत्रालय (राजस्व तथा बीमा विभाग) के प्रतिनिधि

- 1. श्री के० ई० जांनसन्—सदस्य, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड
- 2. श्री ग्रार० ग्रार० खोसला, निदेशक
- 3. श्री ग्रो० पी० भारद्वाज, उप-सचिव
- 4. श्री वी० पी० मिनोचा, ग्रवर सचिव

सचिवालय

श्री हरिगोपाल परांजपे---उप-सचिव

- 2. सिमति ने विधेयक पर पुनः खण्डवार विचार ग्रारम्भ किया।
- 3. खण्ड 3 [देखिये दिनांक 27 मार्च, 1974 की कार्यवाही सारांश का पैरा 3] समिति ने इस खण्ड पर पुनः चर्चा ग्रारम्भ की। निम्नलिखित ग्रौर ग्रागे संशोधन स्वीकृत हुए:—

पृष्ठ 3

(एक) पंक्त 12, "नवम अनुसूची" के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाये---

"ग्रथवा उस तारीख के पश्चात् किन्हीं ग्रन्य चीजों या वस्तुग्रों के विनिर्माण या उत्पादन के कारबार के प्रयोजन के लिये किसी लघु ग्रद्योगिक उपक्रम में स्थापित (कार्यालय साधिव या सड़क परिवहन यानों से भिन्न नई मशीनरी या संयन्त्र की दशा में"

- (दो) पृष्ठ 4 पंक्ति 11 के पश्चात निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाये—
- "(3) किसी ग्रौद्योगिक उपक्रम को तब लघु ग्रौद्योगिक उपक्रम समझा जायेगा जबकि उपक्रम के कारबार के प्रयोजन के लिये संस्थापित मशीनरी ग्रौर संयंत्र का पूर्व वर्ष के ग्रन्तिम दिन सकल मूल्य सात लाख पचास हजार रुपये से ग्रीधक न हो ग्रौर इस प्रयोजन के लिये मशीनरी ग्रथवा संयंत्र का मूल्य:—
 - (क) निर्धारिती के स्वामित्वाधीन मशीनरी या संयंत्र की दशा में उस पर निर्धारिती की वास्तविक लागत होगा; ग्रौर
 - (ख) निर्धारिती द्वारा किराये पर ली गई मशीनरी या संयंत्र की दशा में उसकी वह वास्तविक लागत होगा जो उस मशीनरी या संयंत्र के स्वामी की दशा में होता।

खण्ड को ग्रीर ग्रागे संशोधित रूप में स्वीकार किया गया।

4. खण्ड 5. [देखिये दिनांक 27 मार्च, 1974 की कार्यवाही सारांश का पैरा 4] समिति ने इस खण्ड पर पुनः चर्चा ग्रारम्भ की। निम्नलिखित ग्रीर ग्रागे संशोधन स्वीकार किये गये :--

(एक) पृष्ठ 5, पंक्ति 17-18 "उसके द्वारा चलाये जा रहे कारबार से सम्बन्धित" के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये-

"जो भारत की सामाजिक ग्राथिक ग्रीर ग्रीद्योगिक ग्रावश्यकताग्रों को ध्यान में रखते हुए विहित प्रधिकारी द्वारा इस निमित्त ग्रनुमोदित कार्यक्रम के ग्रधीन हाथ में लिया गया हो"

PITT TO THE IN

II. HI UNO HENTH

ा शो केंद्र वर्षे क्रिक्रमान

BIN OND OND IN

(दो) पृष्ठ 5, पंक्ति 26 से 34 का लो कि किया जाये।

खण्ड ग्रौर ग्रागे संशोधित रूप में स्वीकार किया गया।

5. खण्ड 9. [देखिये दिनांक 27 मार्च, 1974 की कार्यवाही सारांश का पैरा 6] निम्निलिखित स्रौर स्रागे संशोधन स्वीकार किये गये:—

(1) पृष्ठ 6

- (एक) पंक्ति 29 "ग्रष्टम ग्रनुसूची की सूची में विनिद्ध्य" का लोप किया जाये ;
- (दो) पंक्ति 32 "वह" के पश्चात् "किसी पिछड़े क्षेत्र में" अन्तःस्थापित किया जाये;
- (तीन) पंक्ति 37 "वह" क़े पश्चात् "किसी पिछड़े क्षेत्र में ग्रन्तः स्थापित किया जाये ;
- (चार) पृष्ठ, 7 पंक्ति 1 से 5 का लोप किया जाये ;
- (पांच) पंक्ति 6, 7 के स्थान पर निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाये---

"स्पष्टीकरण: — जहां किसी पिछड़े क्षेत्र में किसी प्रयोजन के लिये त पूर्व प्रयुक्त कई मर्गानरी संयंत्र या उसका कोई भाग उस क्षेत्र में या किसी ग्रन्य पिछड़े क्षेत्र में किसी ने कारबार को ग्रन्तरित किया जाता है";

- (छ:) पंक्ति 14 "अष्टम अनुसूची की सूची में विनिदिष्ट" का लोप किया जाये।
- (2) पृष्ठ 8 पंक्ति 31 के पश्चात् निर्मालखित स्रन्तःस्थापित किया जाये--

'स्पष्टीकरण—इस धारा में "पिछड़े क्षेत्र" से ग्रष्टम ग्रनुसूची की सूची में निद्धिट क्षेत्र ग्रभिप्रेत है।'
खण्ड संशोधित रूप में स्वीकार किया गया ।

6. खण्ड 16. [देखिये दिनांक 27, मार्च, 1974 की कार्यवाही सारांश का पैरा 9] निम्नलिखित संशोधन स्वीकार हुये:—

PRINTED 1/2 TO IN PRINTED IN PRINTED IN PRINTED IN PRINTED IN PRINTED THE PRINTED IN THE PRINTED IN

(एक) पंक्ति 9 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये :--

"4. इस्पात की ढलाई ग्रीर फोर्ज तथा धातवर्धनीय लौह ग्रीर इस्पात की ढलाई।"

- (दो) पंक्ति 16 के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जाये :---
- "11. उर्बरक ग्रयीत् ग्रमोनियम सल्फेट, ग्रमोनियम सल्फेट नाइट्रेट (दोहरा लवण) ग्रमोनियम नाइट्रेट, कॅल्सियम ग्रमोनियम नाइट्रेट (नाट्रोलाइम स्टोन) ग्रमोनियम क्लोराइड, सुपर फास्फेट, यूरिया तथा संलिष्ट मूल के सम्मिश्रत उर्वरक जिनमें नाइट्रोजन ग्रौर फास्फोरस दोनों दी हों, जैसे ग्रमोनियम फास्फेट, ग्रमोनियम सल्फेट फास्फेट ग्रीर ग्रमोनियम नाइट्रो फास्फेट";

DOP OFF OFF HE S

- (तीन) पंक्ति 26 तथा 27 के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जाये।
- "21. टेक्सटाइ (जिसमें रंगे हुए छपे हुए या अन्यथा प्रसंस्कृत टेक्सटाइल सम्मिलित है), जो पूणतः या मृख्यतः रूई से बने हुए हों जिसमें ६ई वा सूत, होजरी और रस्सा सम्मिलित है।
- 22. टेक्सटाइल (जिसमें रंगे हुए छपे हुए या अन्यथा प्रसंस्कृत टेक्सटाइल सम्मिलित हैं), जो पूणतः या मुख्यतः जूट से बने हुए हो जिसमें जूट सूतली और जूट का रस्सा सम्मिलित है।
 - 23. सीमेंट ग्रौर उच्च ताप सह।"

खण्ड संशोधित रूप में स्वीकार हुमा।

- 7. खण्ड 17 से 24--ये खण्ड बिना किसी संशोधन के स्वीकार किये गये।
- 8. खण्ड 1---निम्नलिखित संशोधन स्वीकृत हुग्रा:---

पृष्ठ 1, पंक्ति 6, "1973" के स्थान पर "1974" प्रतिस्थापित किया जाये। यह खण्ड, संशोधित रूप में, स्वीकृत हुग्रा।

9. श्रधिनियमन सूत्र—निम्निखित संशोधन स्वीकृत हुग्रा:पृष्ठ 1, पंक्ति 1, "चौबीसवें" के स्थान पर "पच्चीसवें" प्रतिस्थापित किया जाये।
श्रधिनियमन सूत्र, संशोधित रूप में, स्वीकृत हुग्रा।

- 10. पूरा नाम--पूरा नाम बिना किसी संशोधन के स्वीकृत हुआ।
- 11. सिमिति ने स्पष्ट तुटियों को ठीक करने और विधेयक में प्रारूपण सम्बन्धी या पारिणामिक किस्म के, यदि कोई हों, संगोधन करने के लिए विधायी परामर्शदाता को प्राधिकृत किया।
 - 12. सिमति ने निश्चय किया कि-
 - (एक) सिमिति के समक्ष दिये गये साक्ष्य को सभा-पटल पर रखा जाये; श्रीर
 - (दो) सभा में प्रतिवेदन प्रस्तुत हो जाने के पश्चात् विभिन्न संस्थाओं, संगठनों ग्रादि से प्राप्त ज्ञापनों की दो-दो प्रतियां सदस्यों के हवाले के लिए संसद्-ग्रंथालय में रखी जायें।
- 13. तत्पश्चात् सभापति ने सिमिति के सदस्यों का ध्यान ग्रध्यक्ष द्वारा दिये गये निदेशों के विमिति टिप्पणों से सम्बन्धित निदेश 87 के उपबन्धों की ग्रोर दिलाया।
- 14. सिमिति ने अपने प्रारूप प्रतिवेदन पर विचार करने तथा उसे स्वीकार करने के लिए सोमवार, 22 अप्रैल, 1974 को 10,00 बजे समक्त होने का निश्चय किया।
 - 15. तत्पश्चात् समिति की बैठक स्थगित हुई ।

ग्यारहबीं बैठक

समिति की बैठक सोमबार, 22 अप्रैल, 1974 की 10.00 बजे से 11.00 बजे तक हुई।

उपस्थित

श्री नरेन्द्रं कुमार साल्वे—सभापति

सदस्य

- 2. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट
- 3. श्रीमती मार्जरी गोडफे
- 4. श्री श्याम सुन्दर महापान

DATE OF THE PARTIES OF THE

LINS BEIFF, H PF FETTIEF SPOT SE

THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY.

I die tyre the tributed to the tributed to the ac telly (but

- 5. श्री एच० एम० पटेल
- . का कि श्री नरेन्द्र कुमार सांघी । कि अपने कि
- के कल प्रकार श्री वसन्त साठे वर प्राप्त प्रवासक्त अपनी कि (महिन महामहिना) उन्हें के अपनी कि का प्रवासिक
- श्रीमती साविती श्याम
 - 9. श्री एम० सुदर्शनम्
- 10. श्री के० ग्रार० गणेश THE STATE OF A RESTRICT TO STATE TO STATE OF THE STATE OF

विधायो परामशेदाता

- 1. श्री ग्रार० वी० एस० पेरि-शास्त्री-ग्रसंयुक्त सचिव तथा विधायी परामर्शदाता
 - 2. श्री वी० एस० भाष्यम् उप-विधायी परामर्शदाता।

वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) के प्रतिनिध

- 1. श्री ग्रार० डी० शाह—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड
- श्री के० ई० जॉन्सन—सदस्य, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड कर्म हिल्ला है।
- श्री ग्रार० ग्रार० खोसला—निदेशकरोष अपनि । रागरिक के विश्व के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य
- 4. श्री ग्रो० पी० भारहाज--उप-सचिव श्री बी० पी० मिनोचा--ग्रवर सचिव -: ग्रह महाम हमाया । कोलोलाने -- कि प्रमानिक के

A SIN TEST ENTREESE "SEPERT" FO FIRST SEPERT" A SHIPLE A SPECE सचिवालय कार्य के एक हिंगालक हुन असहसे हैं।

श्री हरिगोपाल परांजपे—उप-सिव्व का निवास के कार्या के विकास मान प्रकृत कार कार्या कर

- 2. समिति ने विधेयक पर विचार किया तथा उसे संशोधित रूप में स्वीकार किया।
- 3. तत्पश्चात् समिति ने प्रारूप प्रतिवेदन पर विचार किया तथा उसे निम्नलिखित संशोधनों के ग्रध्यधीन स्वीकार किया: -को क्या प्रमान के लिया है।

(एक) पैरा 13 (एक)

"समिति का विचार है कि प्रारम्भिक अवक्षयण का प्रस्तावित लाभ लघु अौद्योगिक उपक्रमों को उन उपक्रमों में संस्थापित मशीनरी तथा संयंत्र के लिये दिया जाना चाहिये, चाहे ऐसे उपक्रम किसी भी वस्तु या चीज का विनिर्माण करते हों।" लोम में महामा के प्रकृति एक मंत्री प्राप्त कारवार लायत वा विकास में तीनावार ने तीनावार नावता व

के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये :-

कर है सिमिति का विकार है कि प्रारम्भिक अवक्षयण का प्रस्तावित लाभ लघु भौद्योगिक उपक्रमों में संस्थापित मशीनरी और संयंत्र को दिया जाना चाहिये चाहे ऐसे उपऋम किसी भी वस्तु या चीजों का विनिर्माण करते हों।" 1.8. ALEANAN MINISTER AND AND A SERVICE SERVICE OF THE PROPERTY OF THE PROPERT (दो) पैरा 13 (दो),

"31 मई 1974" के स्थान पर "1 जून 1974" प्रतिस्थापित किया जाये।

(तीन) वि मान पैरा 19 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये :---

"19. खण्ड 1. ग्रिधिनियमन सूत्र ग्रीर ग्रीपचारिक किस्म के परिवर्तन ः लोक-सभा में विधेयक 3 सितम्बर, 1973 को पुर:स्थापित किया गया था। समय व्यतीत हो जाने के कारण खण्ड 1, अधिनियमन सूत तथा किन्हीं ग्रन्य खण्डों में कुछ संशोधन करनीं ग्रावश्यक हो गया है। HO THE STATE STATE OF

खण्ड एक के उनखण्ड (2) के कारण खण्ड 2, 6, 14, 17, 19, 21, तथा 22 जिनमें प्रारम्भ संबंधी उपबन्ध नहीं है, 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन से प्रभावी माने जायेंगें। विधेयक के खण्ड 14, 17, 19 तथा 21 भूतलक्षी प्रभाव से नियम बनाने की शक्ति प्रदान करते हैं। इस शक्ति का उपयोग इस विधान के संबंध में राष्ट्रपति की ग्रन्मित प्राप्त होने के पश्चात् ही किया जा सकता है तथा समिति का विचार है कि इन खण्डों को भूत-लक्षी प्रभाव से लागू करना ग्रावश्यक नहीं है । खण्ड 2, 6 तथा 22 के प्रयोजन के लिये भूतलक्षी प्रभाव का होना महत्वपूर्ण है । इसलिये सिमिति की सिफारिश है कि खण्ड एक के उपखण्ड (2) का लोप कर दिया जाये तथा खण्ड 2, 6 तथा 22 में भूतलदा प्रभाव की व्यवस्था करने के विशिष्ट उपबन्ध किये जायें।

पुरः स्थापित किये गये विधेयक में खण्ड 5(क) तथा (ग), 7, 8, 9, 10, 11, 12 तथा 15 में प्रस्तावित संशोधन को 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन से लागू किये जाने का आदेश दिया गया था। क्योंकि 1974 के अप्रैल का प्रथम दिन समाप्त हो चुका है, समिति का विचार है कि निदेश का तदर्थक रूप में संशोधन करना आवश्यक है कि सम्बद्ध संशोधन को 1974 के अप्रैल के प्रथम दिन से किया गया माना जाये। पूर्वोक्त उपवन ों में तदनुसार संशोधन कर दिया गया है।"

- 4. सभापति महोदय ने घोषणा की कि यदि कोई विमित टिप्पण हो तो उसे गुरुवार, 25 अप्रैल 1974 तक लोक-सभा सिचवालय को भेज दिया जाये।
- 5. सिमिति ने सभापित महोदय, श्रौर उनकी श्रनुपस्थितियों में, श्री वसन्त सा ठे को सोमवार, 29 श्रप्रैल, 1974 को में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा साक्ष्य रखने के लिये प्राधिकृत किया।
- 6. सिमिति अपने विचार-विमर्श के दौरान वित्त मंत्री और वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री द्वारा दी गयी सहायता की भी प्रशंसा करती है ।
- 7. सिर्मात विधायी परामर्शदाता तथा वित्त मंत्रालय ग्रीर लोक-सभा सिचवालय के कर्मचारियों द्वारा दिये गये महयोग ग्रीर सहायता की भी प्रशंसा करती है ।
- 8. सिर्मात की कार्यवाही को योग्यतापूर्वक चलाने तथा विधेयक की ग्रवस्थाग्रों पर सिर्मात के विचार-विमर्श में मार्ग-क्षान करने के लिये सिर्मात सभापित महोदय (श्री नरेन्द्र कुमार साल्वे) को भी धन्यवाद देती है।
 - 9. तत्पश्चात् समिति की बैठक स्थिगत हुई।

नहा वाह 3, 6 तथा 32 में मुताबर अधार मां व्यवस्था करने में निवार अवस्था कि अधार मा अस्था मा

हुए: स्वाहित तिव वर्ग विश्व में वर्ग क्षिण के बाद किये जाने का नांचा हिया तथा का 12 तवा कि में महाना के महाना के महाना के महाना के महाना किये जाने का नांचा हिया तथा का 12 तवा कि में महाना की महाना का महाना का महाना का महाना का महाना का महाना का करता अववाद के किया का महाना का ने करता आवाद के किया का महाना का ने क्षाव का महाना का ने करता के समान के किया का महाना का ने क्षाव का महाना का महान का महाना महाना का महाना का महाना का महान महाना का महान महाना

THE WE ALSO THE OR WHEN HE IS TO SEE THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE

THE LOCAL POINT OR STREET THE RESERVE AND ADDRESS OF THE PROPERTY OF THE PROPE

STRIPE OF THE THE THE THE PART OF THE PART

THE THE TELL PARTY OF THE PERSON ASSESSED FOR THE PARTY OF THE PARTY OF THE PERSON OF

THE REPORTED A STREET OF STREET AND THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF

THE WHILE SHEET OF THE PROPERTY PROPERTY.